राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण मंगलवार 03 सितंबर 2024 वर्ष–7,अंक–221 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

ASHOKA CHAKRA
SUPREME COURT BUILDING
BOOK OF CONSTITUTION

सुप्रीम कोर्ट की 75वीं वर्षगांठ पर राष्ट्रपति ने किया नए झंडे और प्रतीक चिन्ह का अनावरण

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट की 75वीं वर्षगांठ के मौके पर आयोजित जिला न्यायपालिका राष्ट्रीय सम्मेलन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सुप्रीम कोर्ट के नए झंडे और प्रतीक चिन्ह का अनावरण किया। सुप्रीम कोर्ट के इस नए झंडे में अशोक चक्र, सुप्रीम कोर्ट की बिल्डिंग और भारत के संविधान की कॉपी को प्रदर्शित किया गया है। नया झंडा कई डिजाइनों में उपलब्ध होगा, जिसमें क्रॉस टेबल फ्लैट, सिंगल टेबल फ्लैग, पोल फ्लैग, लकड़ी के फ्रेम में उपलब्ध होगा जो विविध सेटिंग्स में इसकी उपस्थिति सुनिश्चित करेगा।सुप्रीम कोर्ट के नए झंडे और प्रतीक चिन्ह का एनआईएफटी दिल्ली ने डिजाइन किया है। इस झंडे पर संस्कृत में यतो धर्मस्ततो जय श्लोक लिखा है, जिसका अर्थ जहां धर्म है वहां विजय है। इस मौके पर सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने राष्ट्रपति का आभार जताया और उन्हें विशेष हरित उपहार भेंट किया। इस मौके पर उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के यादगार यात्रा को श्रद्धांजलि के रूप में दिल्ली के सेंट्रल रिज रिजर्व वन एरिए में 12 स्वदेशी किस्मों के 75 पौधे लगाए हैं। ये सभी पौधे सुप्रीम कोर्ट के 75 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में राष्ट्रपति को समर्पित किए गए जो सादगी और विनम्रता के ज्वलंत उदाहरण राष्ट्रपति के सम्मान का प्रतीक है।

पूर्व सीएम ठाकरे को 2 लाख की राशि सौंपे याचिकाकर्ता...कोर्ट का आदेश

मुंबई । बॉम्बे हाईकोर्ट ने शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख और पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे के खिलाफ एक तुच्छ याचिका दायर करने के लिए नांदेड़ निवासी पर 2 लाख रुपये का जुर्माना ठोक दिया है। अदालत ने याचिकाकर्ता मोहन चव्हाण को व्यक्तिगत रूप से पूर्व सीएम को डिमांड ड्राफ्ट के रूप में राशि सौंपने का निर्देश दिया है। दर्शनशास्त्र में डॉक्टर और बंजारा समुदाय के सदस्य, चव्हाण ने तर्क दिया कि उनकी धार्मिक भावनाओं को ठाकरे ने आहत किया था, जिन्होंने समारोह के दौरान उनके पुजारी द्वारा उन्हें दी गई पवित्र राख (विभूति) नहीं लगाई थी।औरंगाबाद पीठ के न्यायमूर्ति एसजी महरे ने कहा कि प्रथम दृष्टया कानून की कम जानकारी रखने वाला व्यक्ति कहेगा कि यह कानून की प्रक्रिया का दुरुपयोग या प्रसिद्ध और सेलिब्रिटी बनने के लिए न्यायिक प्रणाली का उपयोग के अलावा कुछ नहीं है। न्यायाधीश ने 29 अगस्त को कहा कि ऐसी याचिकाएँ समाज के सम्मानित सदस्यों की छवि को ख़राब करती हैं। ज्यादातर समय, इस तरह की याचिकाएं गलत उद्देश्यों से दायर की जाती हैं। अदालत ने चव्हाण को 2 लाख रुपये का जुर्माना लगाने के बाद याचिका वापस लेने की अनुमति दी। एचसी ने कहा कि यह राशि तीन महीने के भीतर ठाकरे को दी जानी है, अन्यथा कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

सेबी चीफ पर कांग्रेस का बड़ा आरोप

एक साथ तीन जगह से सैलरी ले रही थीं माधबी पुरी बुच

नई दिल्ली । कांग्रेस पार्टी के मीडिया एवं प्रचार विभाग के चेयरमेन पवन खेड़ा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए बड़े दावे किए हैं। उन्होंने कहा कि इस देश में शतरंज का खेल चल रहा है लेकिन खिलाड़ी कौन है, इस पर हम निर्णायक तौर पर पहुंचे नही हैं। अलग-अलग मोहरे हैं। उनमें से एक मोहरे के विषय पर बात करने हम हैं, जिनका नाम है माधबी पुरी बुच।पवन खेड़ा ने आगे कहा कि माधबी पुरी बुच, सेबी की मेंबर थीं, उसके बाद 2 मार्च 2022 को चेयरपर्सन बनीं। सेबी शेयर मार्केट की रेगुलेटर है और इनकी नियुक्ति प्रधानमंत्री और गृहमंत्री करते हैं। पवन खेड़ा ने दावा किया कि सेबी चीफ साथ तीन जगहों से सैलरी ले रही थीं। वो आईसीआईसीआई बैंक, आईसीआईसीआई प्रुडेंशियल और सेबी से एक साथ सैलरी ले रही थीं।माधबी पुरी बुच को इस्तीफा देना चाहिएपवन खेड़ा ने कहा कि 2017 से 2024 के बीच में करोड़ों की रेगुलर इनकम आईसीआईसीआई बैंक ले रही थीं और ईशॉप पर जो टीडीएस था, वो भी यही बैंक दे रहा था। यह सीधे-सीधे सेबी के सेक्शन-54 का उल्लंघन है। इसलिए अगर माधबी पुरी बुच में थोड़ी भी शर्म होगी तो उन्हें अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए।

ज्ञानवापी मामला : पुनरीक्षण याचिका पर सुनवाई आज

वाराणसी । ज्ञानवापी परिसर में कब्रों का जिक्र करते हुए उर्स, चादर चढ़ाने समेत अन्य धार्मिक कार्यों की मांग के मामले में पक्षकार बनने को लेकर दिए गए निचली अदालत के आदेश के खिलाफ पुनरीक्षण याचिका पर सुनवाई सोमवार को अपर जिला जज (सप्तम) अवधेश कुमार की अदालत में होगी।लोहता के मुख्तार अहमद समेत अन्य चार लोगों की ओर से दाखिल मुकदमे में सिविल जज (सीनियर डिवीजन फास्ट ट्रैक) की अदालत ने मुकदमे में लखनऊ की रंजना अग्निहोत्री, वाराणसी के पवन समेत छह लोगों को पक्षकार बनाने का आदेश दिया है। इसके खिलाफ वादी पक्ष की ओर से पुनरीक्षण याचिका दाखिल की गई है। पिछली सुनवाई पर पुनरीक्षण याचिकाकर्ता लोहता निवासी मुख्तार अहमद अंसारी की ओर से वकील नंदलाल प्रसाद ने अदालत में पक्ष रखा था।उन्होंने निचली अदालत में दाखिल वाद में मांगे गए अनुतोष से अवगत कराया। बताया कि विवादित स्थल **(आराजी नंबर 9130)** का उल्लेख वक्फ बोर्ड में दर्ज है। मुकदमे में पक्षकार बनाए गए लखनऊ की रंजना अग्निहोत्री, वाराणसी के पवन समेत छह लोगों की ओर से वकील सुधीर त्रिपाठी,सुभाष नंदन चतुर्वेदी, राज्य सरकार की ओर से अधिवक्ता राजेश मिश्र उपस्थित थे।

कैबिनेट ने मुंबई और इन्दौर के बीच सबसे छोटा रेल सम्पर्क प्रदान करने 309 कि.मी. लंबी नई रेलवे लाइन परियोजना को मंजूरी दी

– स्वीकृत परियोजना व्यावसायिक केन्द्रों मुम्बई और इन्दौर को सबसे छोटे रेल मार्ग से जोड़ने के अलावा, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश के उन जिलों को जोड़ेगी जो अब तक रेल मार्ग से नहीं जुड़े थे, इनमें महाराष्ट्र के 2 और मध्य प्रदेश के 4 जिले शामिल

–परियोजना की कुल लागत 18,036 करोड़ रुपये है और यह 2028–29 तक पूरी हो जाएगी ::

:: निर्माण के दौरान परियोजना लगभग 102 लाख मानव–दिवसों के लिए प्रत्यक्ष रोजगार भी पैदा करेगी

दिल्ली/इन्दौर ।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) ने रेल मंत्रालय के तहत 18,036 करोड़ रुपये (लगभग) की कुल लागत वाली नई रेलवे लाइन परियोजना को मंजूरी दे दी है। इन्दौर और मनमाड के बीच प्रस्तावित नई लाइन सीधा सम्पर्क प्रदान करेगी और गतिशीलता में सुधार करेगी, जिससे भारतीय रेलवे के लिए बेहतर दक्षता और सेवा विश्वसनीयता सुनिश्चित होगी। यह परियोजना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नए भारत की कल्पना के अनुरूप है, जो क्षेत्र में व्यापक विकास के माध्यम से लोगों को आत्मनिर्भर बनाएगी, जिससे उनके लिए रोजगार/स्वरोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

यह परियोजना मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी के लिए पीएम-गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान का परिणाम है, जो एकीकृत योजना के माध्यम से संभव हुआ है और लोगों, वस्तुओं और सेवाओं की आवाजाही के लिए निर्बाध सम्पर्क प्रदान करेगा।

यह परियोजना 2 राज्यों, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश के 6 जिलों को कवर करेगी, जिससे भारतीय रेलवे के मौजूदा नेटवर्क में लगभग 309 किलोमीटर की वृद्धि होगी।

इस परियोजना के साथ 30 नए स्टेशन बनाए जाएंगे, जिससे आकांक्षी जिले बड़वानी को बेहतर सम्पर्क मिलेगा। नई रेलवे लाइन परियोजना से लगभग 1,000 गांवों और लगभग 30 लाख आबादी को सम्पर्क मिलेगा।

परियोजना देश के पश्चिमी/दक्षिण-पश्चिमी हिस्से को मध्य भारत से जोड़ने वाला छोटा रास्ता उपलब्ध कराकर क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा देगी। इससे श्री महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर सहित उज्जैन-इन्दौर क्षेत्र के विभिन्न पर्यटन/धार्मिक स्थलों पर पर्यटकों की संख्या बढ़ेगी।

परियोजना से पीथमपुर ऑटो क्लस्टर (90 बड़ी इकाइयां और 700 छोटे और मध्यम उद्योग) को जेएनपीए के गेटवे पोर्ट और अन्य राज्य बंदरगाहों से सीधा सम्पर्क मिलेगा। परियोजना मध्य प्रदेश के बाजरा उत्पादक जिलों और महाराष्ट्र के प्याज उत्पादक जिलों को भी सीधा सम्पर्क प्रदान करेगी, जिससे देश के उत्तरी और दक्षिणी हिस्सों में इसके वितरण में सुविधा होगी।

कृषि उत्पादों, उर्वरक, कंटेनर, लौह अयस्क, इस्पात, सीमेंट, पीओएल आदि जैसी वस्तुओं के परिवहन के लिए यह एक आवश्यक मार्ग है। क्षमता वृद्धि कार्य के परिणामस्वरूप लगभग 26 एमटीपीए (मिलियन टन प्रति वर्ष) की अतिरिक्त माल ढुलाई होगी। रेलवे पर्यावरण अनुकूल और ऊर्जा कुशल परिवहन का साधन है, जो जलवायु लक्ष्यों को प्राप्त करने और देश की रसद लागत को कम करने, तेल आयात (18 करोड़ लीटर) को कम करने और कार्बन डाइक्साइड उत्सर्जन (138 करोड़ किलोग्राम) को कम करने में मदद करेगा जो 5.5 करोड़ पेड़ लगाने के बराबर है।

जम्मू के सुंजवां में संतरी पोस्ट पर आतंकी हमला, गोलीबारी में एक जवान शहीद

सेना ने इलाके को घेरा, तलाशी अभियान शुरु, ड्रोन की भी ली जा रही मदद

जम्मू ।

जम्मू-कश्मीर में लगातार आतंकियों के हमले हो रहे हैं। सोमवार को जम्मू के सुंजवां के संतरी पोस्ट के पास सैन्य स्टेशन पर आतंकियों ने हमला किया है। इस गोलीबारी में सेना का एक जवान शहीद हो गया। आतंकियों की तलाशी के लिए सेना ने घेराबंदी कर सर्च ऑपरेशन चला रही है। जम्मू के सुंजवां सैन्य स्टेशन पर आतंकियों द्वारा बेस के बाहर से की गई गोलीबारी में एक सैन्य जवान शहीद हो गया। शहीद जवान की पहचान नायक कुलदीप के रूप में हुई है। आतंकियों की तालश के लिए ड्रोन भी तैनात किए गए हैं।

रक्षा अधिकारियों ने इसकी जानकारी देते हुए कहा कि जम्मू के सुंजवान मिलिट्री स्टेशन में आतंकवादियों ने बेस के बाहर से गोलीबारी की, जिसमें सेना का एक जवान घायल हो गया। हमलावरों का पता लगाने के लिए सर्च ऑपरेशन जारी है। आतंकियों का हमला सुंजवान मिलिट्री स्टेशन के सेंट्री पोस्ट एरिया के पास के इलाके में हुआ। यहां 36 इंफेंट्री ब्रिगेड तैनात है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मिलिट्री स्टेशन के बाहर संदिग्ध गतिविधियां देखने को मिली थीं, जिसके बाद जवानों ने गोलियां चलाईं। इसकी वजह से हलचल बढ़ गई और सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया गया है।

सेना के अधिकारियों ने बताया कि गोलीबारी के बाद किसी संदिग्ध के हताहत होने की सूचना नहीं है लेकिन सेना और स्थानीय पुलिस के विशेष अभियान समूह (एसओजी) ने गहन तलाशी के लिए इलाके को घेर लिया गया है। ये पहला मौका नहीं है, जब सुंजवान मिलिट्री स्टेशन पर हमला हुआ है।

इससे पहले फरवरी 2018 में, आतंकवादियों ने सुंजवान मिलिट्री कैंप पर हमला किया था, जिसमें छह जवान शहीद हो गए थे, एक नागरिक और तीन आतंकवादी भी मारे गए थे।

पिछले हफ्ते, सुरक्षा बलों ने 31 अगस्त को जम्मू-कश्मीर के बांदीपुरा जिले के गुरेज सेक्टर में एलओसी के नजदीक घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया था। आतंकवादियों की गतिविधि देखे जाने के बाद घुसपैठ करने वाले आतंकवादियों और सेना के बीच गोलीबारी शुरू हुई थी। पिछले हफ्ते ही जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में एलओसी पर दो अलग-अलग मुठभेड़ों में कम से कम तीन आतंकवादी मारे गए थे।

किसानों को सरकार की बड़ी सौगात

नई दिल्ली ।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोमवार को बताया कि किसानों के लिए सरकार ने 7 बड़े फैसले लिए हैं। 2 हजार 817 करोड़ रुपये के डिजिटल कृषि मिशन को मंजूरी दी गई है। खाद्य, पोषण के फसल विज्ञान के लिए 3 हजार 979 करोड़ रुपये और टिकाऊ पशुधन स्वास्थ्य के लिए 1 हजार 702 करोड़ रुपये की योजना को मंजूरी दी है। मोदी सरकार ने किसानों के लिए 7 बड़े फैसले लिए हैं। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोमवार को कहा कि सरकार गठन के अभी 100 दिन भी पूरे नहीं हुए हैं और कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए हैं। पहले 85 दिनों के अंदर किसानों के लिए कई बड़े फैसले लिए गए हैं। इनसे किसानों की आय बढ़ेगी। उन्होंने बताया कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 2 हजार 817 करोड़ रुपये के डिजिटल कृषि मिशन को मंजूरी दी है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया है कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने खाद्य, पोषण के फसल विज्ञान के लिए समर्पित 3 हजार 979 करोड़ रुपये की योजना को मंजूरी है। टिकाऊ पशुधन स्वास्थ्य के लिए 1 हजार 702 करोड़ रुपये की योजना को मंजूरी दी है। सरकार ने कुछ अच्छे पायलट प्रोजेक्ट शुरू किए गए हैं। इनमें हमें सफलता मिली है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि उसी के आधार पर डिजिटल कृषि मिशन की स्थापना की जाएगी। बागवानी के विकास के लिए 860 करोड़ रुपये और कृषि विज्ञान केंद्रों के लिए 1 हजार 202 करोड़ रुपये के आवंटन को मंजूरी । आइए जानते हैं डिजिटल कृषि मिशन से किसानों का क्या सहूलियत मिलनी वाली है।

सोशल मीडिया पर हर महीने 54 लाख खर्च करते हैं सिद्धारमैया

नई दिल्ली।

मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (मूडा) कथिक घोटाला मामले में कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। यहां तक कि राज्य में मुख्यमंत्री बदले जाने के भी कयास लगाए जा रहे हैं। इसी बीच एक आरटीआई के जवाब में पता चला है कि सीएम सिद्धारमैया सोशल मीडिया अकाउंट हैंडल करने के लिए 54 लाख रुपये खर्च करते हैं। वह इतना खर्च व्यक्तिगत और आधिकारिक दोनों अकाउंट्स के लिए करते हैं।

बता दें कि राज्यपाल थावर चंद्र गहलोत ने मूडा कथित घोटाला मामले में सीएम सिद्धारमैया के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी दे दी थी। तब से उनपर सीएम पद से इस्तीफा देने का भी दबाव बना हुआ है। हालांकि सिद्धारमैया स्पष्ट कर चुके हैं कि वह इस्तीफा नहीं देने वाले हैं। शनिवार को कांग्रेस ने राजभवन चलो मार्च भी निकाला था। इस मार्च का उद्देश्य राज्यपाल पर दबाव डालना था कि वह मुकदमा चलाने की मंजूरी वाले फैसले पर पुनर्विचार करें।

सरकारी एजेंसी कर्नाटक स्टेट मार्केटिंग कम्युनिकेशन ऐंड एडवर्टाइजिंग लिमिटेड ने यह जानकारी दी है। पिछले साल 25 अक्टूबर से मार्च 2024 तक सीएमओ ने 3 करोड़ रुपये के आसपास खर्च किए हैं। आरटीआई में मिली जानकारी के मुताबिक सीएमओ ने हर मीहने करीब 53.9 लाख रुपये खर्च किए है। इसमें 18 फीसदी की जीएसटी भी शामिल है।

यह पेमेंट पॉलिसी फ्रंट नाम की कंपनी को किया गया जो कि सिद्धारमैया के अकाउंट हैंडल करवाती है। इसमें करीब 35 लोगों की टीम है। रिपोर्ट के मुताबिक आरटीआई एक्टिविस्ट मारलिंगा गौड़ा माली पाटिल ने आरटीआई डालकर जवाब मांगा था। उन्हें जब पता चला कि विकास के कई कार्यों के लिए सरकार के पास फंड नहीं है तो इसका पता लगाने की कोशिश की। मुख्यमंत्री कार्यालय की तरफ से बताया गया कि पूर्व मुख्यमंत्रियों की तुलना में सिद्धारमैया सोशल मीडिया पर बेहद कम खर्च करते हैं। इससे पहले के मुख्यमंत्री का यह खर्चा 2 करोड़ के करीब था।

जम्मू कश्मीर में भाजपा ने जारी की छह और उम्मीदवारों की सूची

नई दिल्ली ।

जम्मू कश्मीर में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने छह और उम्मीदवारों की एक लिस्ट जारी की है। बीजेपी अध्यक्ष रवींद्र रैना नौशेरा से चुनाव लड़ेंगे। जिन सीटों के लिए उम्मीदवारों के नाम जारी किए गए हैं वहां दूसरे चरण में चुनाव होने वाले हैं। लाल चौक सीट पर बीजेपी ने इंजी। एजाज हुसैन को उम्मीदवार बनाया है। वहीं ईदगाह सीट से आरिफ राजा को बीजेपी का टिकट मिला है। खानसाहिब सीट से डॉ। अली मोहम्मद मीर पार्टी के प्रत्याशी होंगे। चरार-ए-शरीफ से जाहिद हुसैन बीजेपी के कैंडिडेट होंगे। राजौरी से विबोध गुप्ता को उम्मीदवार बनाया गया है।

उम्मीदवारों की 2 लिस्ट पहले जारी हो चुकी है

इससे पहले बीजेपी की तरफ से उम्मीदवारों की 2 लिस्ट जारी की गयी थी। पहली लिस्ट को वापस लेने के बाद उसकी जगह संशोधित पहली लिस्ट जारी कर की गयी थी। पार्टी उम्मीदवारों की संशोधित लिस्ट में भाजपा ने पहले चरण के मतदान वाले 15 विधानसभा सीटों पर उम्मीदवारों के नाम घोषित किए थे।

भाजपा ने पाम्पोर से इंजी। सैयद शौकत गयूर अंद्राबी, राजपोरा से अर्शीद भट्ट, शोपियां से जावेद अहमद कादरी, अनंतनाग पश्चिम से मोहम्मद रफीक वानी, अनंतनाग से अधिवक्ता सैयद वजाहत,

विस्तारित
कार्यसमिति
6 जुलाई 202
डॉ श्यामा प्रसा
"सभा

श्रीगुफवाड़ा बिजबेहरा से सोफी यूसुफ, शानगुस अनंतनाग पूर्व से वीर सराफ, इन्दरवल से तारिक कीन, किश्तवाड से शगुन परिहार, पाडेर-नागसेनी से सुनील शर्मा, भदरवाह से दलीप सिंह परिहार, डोडा से गजय सिंह राणा, डोडा पश्चिम से शक्ति राज परिहार, रामबाण से राकेश ठाकुर और बनिहाल से सलीम भट्ट को चुनावी मैदान में उतारा है।

शंभू बॉर्डर पर आंदोलनकारी किसानों से बात करने सुप्रीम कोर्ट ने की समिति गठित

-कहा- आंदोलन का राजनीतिकरण करने से बचें, समिति के सामने रखें बात

नई दिल्ली।

शंभू बॉर्डर पर 6 लेन हाईवे में दोनों ओर एक-एक लेन इमरजेंसी और जन सुविधा के लिए खोली जाएगी। सुप्रीम कोर्ट ने दोनों राज्यों की सहमति के बाद ये आदेश जारी किया है। पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ दायर हरियाणा सरकार की याचिका पर सुनवाई करते हुए जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस उज्जल भुइयां की बेंच ने राज्य सरकारों की तरफ से सुझाए नामों पर संतुष्टि जताई है।

सुप्रीम कोर्ट ने आंदोलनकारी किसानों के मुद्दों पर विचार करने के लिए उच्चाधिकार प्राप्त समिति गठित की है। कोर्ट ने कहा कि समिति के सदस्य प्रतिष्ठित व्यक्ति और क्षेत्र के विशेषज्ञ हैं। हरियाणा और पंजाब दोनों राज्यों ने उच्चाधिकार प्राप्त समिति के गठन पर सहमति जताई है।

कोर्ट ने कहा कि समिति के विचार के लिए मुद्दों की पहचान करना और उन्हें तैयार करना ज्यादा उपयुक्त होगा। इसके अध्यक्ष ने मुद्दों को तैयार करने के लिए एक हफ्ते में बैठक बुलाई है। समिति के सदस्य सचिव को अंतरिम स्थिति रिपोर्ट भी रिकॉर्ड में रखने को कहा गया है। सुप्रीम कोर्ट ने एमएसपी और अन्य मुद्दों हल करने का मसौदा तैयार करने के लिए पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के पूर्व न्यायाधीश के नेतृत्व में पांच सदस्यीय पैनल गठित की है।

कोर्ट ने पैनल से शंभू बॉर्डर पर लगाई पक्की बैरिकेडिंग हटाने के लिए किसानों से बातचीत करने को कहा है। सुप्रीम कोर्ट ने किसानों से कहा कि वे अपने आंदोलन का राजनीतिकरण करने से बचें। कोर्ट द्वारा गठित पैनल के साथ अपनी बैठकों में पूरी तरह से मांगें न रखें।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राज्य सरकार की इस कोशिश की हम सराहना करते हैं। पंजाब सरकार ने कहा कि उद्योग, स्कूली बच्चे, दिल्ली एयरपोर्ट आने-जाने वाले सभी परेशान हैं। कोर्ट ने कहा कि हरियाणा सरकार हाइवे की एक लेन को एंबुलेंस, स्कूल बसें, एमरजेंसी सर्विसेज और आने-जाने वाले लोगों के लिए खोल सकती है, इससे जनजीवन आसान होगा।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हम मामले को लंबित रखते हैं, किसानों को भी नहीं लगना चाहिए कि उनको अलग थलग और किनारे कर दिया गया है।

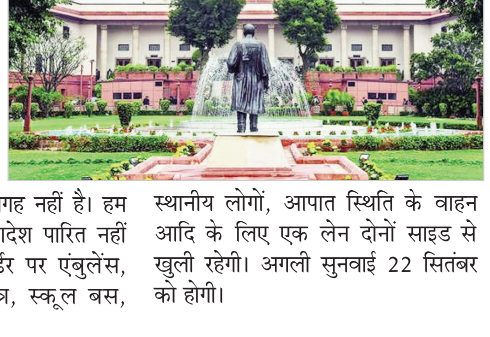

हाईवे कोई पार्किंग की जगह नहीं है। हम अखबारों में पढ़ कर आदेश पारित नहीं करना चाहते। शंभू बॉर्डर पर एंबुलेंस, सीनियर सिटीजन, छात्र, स्कूल बस, स्थानीय लोगों, आपात स्थिति के वाहन आदि के लिए एक लेन दोनों साइड से खुली रहेगी। अगली सुनवाई 22 सितंबर को होगी।

संपादकीय

लंबी उम्र के उपाय

सदियों से इंसानों की यह कोशिश रही है कि आयु को बढ़ने से कैसे रोक दिया जाए। आयु ही नहीं, बल्कि मृत्यु को भी टालने की तमन्ना आदि काल से बरकरार है। इसमें कोई शक नहीं है कि विगत एक सदी में इंसानों ने अपने जीवन को औसतन दोगुना लंबा कर लिया है। अभी भी अधिकतम 120 वर्ष की आयु तक लोग जीते पाए जाते हैं। उम्रदराज लोगों की संख्या दुनिया में बढ़ी है, पर चिकित्सकों के साथ ही अनेक वैज्ञानिकों की यह कोशिश भी जारी है कि आमतौर पर लोगों को जल्दी बूढ़ा होने से रोका जाए। बुढ़ापे को कैसे टाला जा सकता है, यह एक गहरे अध्ययन का विषय रहा है। हाल में जारी नेचर हिट्स द बुक्स के नवीनतम एपिसोड में नोबेल विजेता वेंकी रामकृष्णन ने उम्र बढ़ने की अंतर्निहित आणविक प्रक्रियाओं पर गहराई से प्रकाश डाला है और बताया है कि दीर्घायु की तलाश में स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। ज्यादा जीने के साथ ही अच्छा जीना भी आज दिलचस्प विषय है। अच्छी जीवन शैली, साफ परिवेश, शुद्ध खान-पान और चिकित्सा सुविधाओं का लाभ उठाने की अनिवार्यता का बढ़ना तय है। विज्ञान पत्रिका नेचर में प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार, एआई की मदद से एक ऐसी मस्तिष्क घड़ी का निर्माण हुआ है, जो यह बता सकती है कि किसी व्यक्ति का मस्तिष्क उसकी आयु की तुलना में ज्यादा तेजी से बूढ़ा हो रहा है या नहीं। दरअसल, ज्यादा समय तक युवा रहने के लिए दिमाग का युवा रहना जरूरी है। यह खास घड़ी बताती है कि अधिक असमानता वाले देशों और लैटिन अमेरिकी मुल्कों में दिमाग तेजी से बूढ़ा होता है। इस शोध के प्रमुख लेखक और सैंटियागो में एडोल्फो इबनेज यूनिवर्सिटी के न्यूरोसाइंटिस्ट ऑगस्टिन इबनेज कहते हैं कि जिस तरह से आपका मस्तिष्क बूढ़ा होता है, वह सिर्फ वर्ष से संबंधित नहीं है। यह इस बारे में भी बताता है कि आप कहां रहते हैं, क्या करते हैं, आपका सामाजिक-आर्थिक स्तर, आपके पर्यावरण में प्रदूषण का स्तर कैसा है।' शोधकर्ता यह भी स्पष्ट करते हैं कि कोई भी देश, जो लोगों के मानसिक स्वास्थ्य में निवेश करना चाहता है, उसे संरचनात्मक विषमताओं को पहले दूर करना चाहिए। अगर किसी देश में कुछ अमीर हैं और ढेर सारे गरीब, तो उस देश में आयु ज्यादा नहीं बढ़ेगी। जिस देश में आय की समानता ज्यादा होगी, वहां के लोगों को लंबी जिंदगी नसीब होगी। यह खास रिपोर्ट नेचर मेडिसिन में भी प्रकाशित हुई थी और इसकी चर्चा स्वाभाविक ही ज्यादा हो रही है। ज्यादा जीना भला कौन नहीं चाहेगा? यह बात भी महत्वपूर्ण है कि आप अपने दिमाग का इस्तेमाल कैसे कर रहे हैं। अगर आपका दिमाग नई-नई चीजों से लगातार जुड़ रहा है, तो उसका उत्तरोतर समृद्ध होते जाना निश्चित है। यह देखा गया है कि बढ़ती उम्र के साथ लोगों का दिमाग बदलता जाता है और उनके पसंदीदा विषयों में कमी आने लगती है। क्या इस प्रक्रिया को रोका जा सकता है? क्या दिमाग को ज्यादा समय तक युवा रखा जा सकता है? वैज्ञानिकों को ठोस समाधान के साथ सामने आना चाहिए। ध्यान रहे, यह शोध 15 देशों में किया गया है। इनमें मेक्सिको, कोलंबिया, पेरू, क्यूबा, ब्राजील, चिली, अर्जेंटीना जैसे लैटिन या कैरेबियन देश और चीन, जापान, अमेरिका, इटली, ग्रीस, तुर्की, ब्रिटेन, आयरलैंड शामिल हैं। इसमें करीब 5,306 लोगों ने भाग लिया है। ऐसे अध्ययन की भारत में भी जरूरत है। यहां भी लोग ज्यादा जीना चाहते हैं।

आज का राशिफल

मेष	बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।
वृषभ	पारिवारिक व व्यावसायिक समस्याएं रहेंगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।
मिथुन	सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। व्यर्थ के तनाव मिलेंगे।
कर्क	बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जारी प्रयास सफल होंगे। वाणी की सौम्यता बनाये रखें। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।
सिंह	प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। पिता या उच्चाधिकारी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।
कन्या	जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि मिलेगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।
तुला	राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।
वृश्चिक	आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। प्रियजन भेंट संभव।
धनु	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। जारी प्रयास सफल होंगे। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।
मकर	दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।
कुम्भ	व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। नेत्र विकार की संभावना है। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।
मीन	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। सृजनात्मक कार्यो में हिस्सा लेना पड़ सकता है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कार्यो में खर्च करना पड़ सकता है।

शर्मनाक है नारी शोषण में पक्षपात

(लेखक - तनवीर जाफ़री)

बंगाल की राजधानी महानगर कोलकता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल में रात की ड्यूटी अंजाम दे रही एक जूनियर डॉक्टर के साथ 9 अगस्त को हुआ बलात्कार तथा बलात्कार के बाद उसी जूनियर डॉक्टर की बेरहमी से की गयी हत्या का मामला इन दिनों देश के सबसे ज्वलंत मुद्दे के रूप में मीडिया में छाया हुआ है। इस बलात्कार व हत्या के मामले में कलकत्ता उच्च न्यायालय के आदेश पर सीबीआई जांच भी शुरू हो चुकी है। उस समय यह मामला और भी हाई प्रोफ़ाइल हो गया जबकि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गत दिनों पीटीआई को दिए अपने साक्षात्कार में इसी कांड के सम्बन्ध में यह कह दिया कि मैं बहुत निराश और भयभीत हूं। बेटियों के ख़िलाफ़ अपराध बर्दाश्त नहीं। राष्ट्रपति ने कहा, बस अब बहुत हुआ। इसके अतिरिक्त भी राष्ट्रपति महोदया ने इसी विषय पर और भी बहुत सी बातें कर हमारे समाज की बेटियों और बहनों के साथ हो रहे इस तरह के अत्याचारों पर गहन चिंता ज़ाहिर की। उन्होंने पूरे समाज का आवाह्न किया कि सब मिलकर इस विकृति का सामना करें ताकि इसे शुरुआत में ही ख़त्म किया जा सके। राष्ट्रपति महोदया द्वारा कोलकता रेप व हत्याकांड का ज़िक्र अपने इंटरव्यू में करने के बाद यह चर्चा भी सुनाई देने लगी है कि क्या बंगाल में इसी शर्मनाक काण्ड की आड़ में निर्वाचित सरकार को अपदस्थ कर वहां राष्ट्रपति शासन भी लगाया जा सकता है ? इससे पहले भी बंगाल में संदेशखाली की कुछ महिलाओं ने कथित तौर पर यह आरोप लगाया था कि मुख्य मंत्री ममता बनर्जी के क़रीबी तृणमूल नेताओं द्वारा प्रशासन का डर दिखाते हुए उन लोगों पर अत्याचार किया गया। उनकी ज़मीन छीन कर उस पर क़ब्ज़ा कर लिया गया। विरोध करने पर हमले किये गये। ज़मीन लीज़ पर लेकर पैसे भी नहीं दिये गये, पैसे देने का वादा करने के बावजूद पैसे मार लिये गये और शारीरिक शोषण भी किया गया,आदि आदि। हालांकि इसी मामले में तृणमूल नेताओं पर बलात्कार का आरोप लगाने वाली तीन महिलाओं में से दो ने केस वापस भी ले लिया था। तृणमूल कांग्रेस ने 'स्टिंग ऑपरेशन' के एक वीडियो में दावा किया था कि बीजेपी के स्थानीय नेता ने कई महिलाओं से सादे काग़ज़ पर दस्तख़त करवाए थे और बाद में तृणमूल नेताओं के विरुद्ध बलात्कार व यौन उत्पीड़न की शिकायत दर्ज करवाने में इन काग़ज़ों का प्रयोग किया गया था। इस साज़िश के पर्दाफ़ाश होने के बाद यह मामला जितनी तेज़ी से मीडिया में उछाला गया था उतनी ही तेज़ी से यह दबा भी दिया गया। संदेशखाली की घटना के बाद भी बंगाल में राष्ट्रपति शासन की चर्चा सुनाई देने लगी थी। बलात्कार हत्या जैसे घृणित अपराध निश्चित रूप से कहीं भी हों इसकी घोर भर्त्सना की जानी चाहिये। शासन व प्रशासन व विधायिका को मिलकर ऐसे उपाय ढूंढने चाहिये जिससे अपराधियों के हौसले पस्त हों और वे ऐसे अपराधों की जुरअत ही न कर सकें। साथ ही समाज को अपने बच्चों को भी शिक्षित करना चाहिये। परन्तु अफ़सोस तो इस बात का है कि हमारे देश में बलात्कार व हत्या जैसे घिनौने अपराध को लेकर भी राजनीति की हांडी चढ़ा दी जाती है। राज्य में सरकार किस दल की है,यह देखकर बलात्कार का विरोध किया जाता है। और इससे भी शर्मनाक यह कि बलात्कार पीड़िता का धर्म व उसकी जाति देखकर भी मामले का विरोध व समर्थन निर्धारित किया जाता है। आरोपी /अपराधी के रसूख़ के अनुसार भी उसके साथ बर्ताव किया जाता है। यहाँ तक कि यदि बलात्कार व हत्या का अपराधी बड़ी संख्या में अपने अनुयायी रखता है तो उस पर तो शासन की विशेष कृपा बरसते देखी जा सकती है। ख़ासकर चुनावी बेला में तो ऐसे सफ़ेदपोश अपराधियों को विशेष पेरोल तक दे दी जाती है। याद कीजिये गुजरात में 2002 में हुए साम्प्रदायिक दंगों के दौरान बिलक़ीस बानो व उसकी मां के साथ सामूहिक बलात्कार किया गया था तथा उसी समय उनके सामने उन्हीं के परिवार के सात सदस्यों की हत्या भी कर दी गयी थी। इस लोमहर्षक जुर्म में महाराष्ट्र उच्च न्यायालय द्वारा 11 अपराधियों को आजीवन कारावास की सज़ा दी गयी थी। परन्तु मई 2022 में गुजरात सरकार ने अच्छे चरित्र के आधार पर दोषियों की सज़ा में छूट देते हुये स्वतंत्रता दिवस के दिन इनको रिहा कर दिया था। एक तरफ़ तो भारत सहित पूरे विश्व में गुजरात सरकार के इस क़दम की घोर आलोचना हुई थी। तो दूसरी तरफ़ इन हत्यारे बलात्कारियों को मंच पर सुशोभित किया जाने लगा था। इन्हें फूल माला पहनाकर इन हत्यारे बलात्कारियों का स्वागत किया जा रहा था। इसी आलोचना के दौरान एक विश्व हिन्दू परिषद् के पक्षकार विद्वान लेखक ने इन हत्यारे बलात्कारियों का पक्ष लेते हुये अपने आलेख को इस आशय के शीर्षक से सजाया था कि -आख़िर हिन्दुओं को भी तो जीने का अधिकार है ? यह तो भला हो सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस उज्जल भुयन का जिन्होंने इस मामले में संज्ञान लेते हुये - कहा कि मई 2022 में गुजरात सरकार ने दोषियों की सज़ा में छूट देकर तथ्यों की उपेक्षा की थी। और इसी टिप्पणी के साथ उन्होंने सभी दोषियों को दो हफ़्ते के भीतर जेल प्रशासन के पास हाज़रि होने का आदेश दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने उसी समय यह भी कहा था कि गुजरात सरकार के पास सज़ा में छूट देने और इस बारे में कोई फ़ैसला लेने का अधिकार नहीं है। इस तरह सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद यह अपराधी पुनः जेल जा सके थे और इन हत्यारे बलात्कारियों के हमदर्दों को अपनी मुंह की खानी पड़ी थी। इसी तरह जनवरी 2018 के कठुआ,जम्मू के 8 वर्ष की मासूम असिफ़ा बानो के सामूहिक बलात्कार व उसकी हत्या के समय भी बलात्कार समर्थक इन बेशर्मों चेहरा बेनक़ाब हुआ था। इस घृणित अपराध का साज़िशकर्ता एक रिटायर्ड राजस्व अधिकारी था जोकि उस समय एक स्थानीय मंदिर का पुजारी भी था जहाँ कई दिनों तक उस बच्ची के साथ बलात्कार किया जाता रहा। इस घटना को भी धार्मिक रंग देते हुये स्वयं को हिन्दू हितैषी कहने वाले लोग बलात्कारियों के पक्ष में केवल खड़े ही नहीं हुये बल्कि उनके समर्थन में जुलूस निकाले, प्रदर्शन किये और हाथों में तिरंगा लेकर सड़कों पर उतरे। मणिपुर में महिलाओं के साथ क्या कुछ नहीं हुआ। पूरा विश्व उस घिनौनी ख़बर से हिल गया था जबकि सैकड़ों की भीड़ ने वर्ग विशेष की लड़कियों से नग्न परेड कराई और उनके साथ सामूहिक बलात्कार किये गये। ऐसे अनेक घटनायें मणिपुर में घटीं। उत्तरांचल,मणिपुर राजस्थान,मध्य प्रदेश कहाँ नहीं हो रहा है बलात्कार ? परन्तु क्या मीडिया तो क्या सरकारी तंत्र व विशेष विचारधारा के लोग इन सबको केवल ग़ैर भाजपा शासित राज्यों में ही ऐसे अपराध नज़र आते हैं ? यदि बलात्कारियों व हत्यारों को दलगत अथवा धर्म व जाति के चश्मे से देखा जाने लगा यानी नारी शोषण में भी पक्षपात किया जाने लगा फिर हमारे देश के लिये इससे निंदनीय व शर्मनाक और क्या हो सकता है ?

प्रकृति का संचालक' है जल

(लेखक- संजय गोस्वामी)

हमारे शरीर में जल की कमी से चक्कर आना, थकान और कमजोरी महसूस होने जैसे लक्षण पैदा होने लगते हैं। शरीर में यदि दो प्रतिशत जल की कमी हो जाये तो प्यास लगती है, भूख लगती है, त्वचा शुष्क हो जाती है, मुँह सूखने लगता है, ठंड लगती है और मूत्र का पीलापन बढ़ जाता है। यदि पांच प्रतिशत की कमी हो जाये तो हृदय की धड़कन बढ़ जाती है, मल-मूत्र त्याग में परेशानी होने लगती है, माँसपेशियों में अकड़न पैदा हो जाती है, थकान बढ़ जाती है, मिचली और सिरदर्द जैसे लक्षण महसूस होने लग जाते हैं। वहीं यदि 10 प्रतिशत की कमी हो जाये तो तत्काल चिकित्सकीय सुविधा प्राप्त करनी चाहिए। ऐसे में चक्कर आना, माँसपेशियों में अकड़न, उल्टी, नाड़ी तेज चलना, शरीर का सिकुड़ना, धुँधला दिखना, साँस लेने में परेशानी, याददाश्त में कमी, सीने में दर्द, मूत्रत्याग में कष्ट जैसे लक्षण उत्पन्न हो जाते हैं।

विभिन्न मौसम भी जल पीने की मात्रा को प्रभावित करते हैं। शीत काल में ज्यादा प्यास नहीं लगती, जबकि ग्रीष्म काल में ज्यादा जल पीने की आवश्यकता पड़ती है। परन्तु, शुष्क वायु होने के कारण मनुष्य को प्यास न लगने पर भी समय-समय पर जल पीते रहना चाहिए। जल की कमी होने से झिल्लियाँ, फेफड़े, आँत, आदि के शुष्क होने का खतरा बढ़ जाता है जिससे संक्रमण की संभावना बढ़ जाती है। जल की उचित मात्रा मोटापा घटाने, शरीर से व्यर्थ पदार्थों को निकालने, पाचन तंत्र और वृक्क को ठीक रखने में सहायक होती है।

आज जल समस्या को देखते हुए ऐसे कदम उठाने आवश्यक आ पड़ी है जिससे भविष्य में पानी की प्रचुरता बनी रहे और अगली पीढ़ी को भी स्वच्छ जल उपलब्ध हो सके। अगर हम अभी से नहीं चेते तो अगली पीढ़ी हमें माफ नहीं करेगी। आइए, जल बचायें और संरक्षित भी करें। हम सभी जानते हैं कि जीवन का उद्भव, वृद्धि और विकास क्रम का मौलिक आधार भी जल ही है। प्रकृति ने हमारी पृथ्वी पर वायु एवं जल दोनों को बड़ी ही प्रचुरता तथा निर्मलता से प्रदान किया था। इस समय की हमारी सभ्यता ने इनकी निर्मलता एवं प्रचुरता दोनों को ही दुष्प्रभावित किया है। इसलिए हमें धरती पर जल की प्रचुरता होने के बावजूद इसे ठीक ठीक रखने की आवश्यकता है। हमारा देश भारत लगभग तीन तरफ से महासागरों से घिरा है। इसमें अनेक स्थानों पर जल के समृद्ध भण्डार हैं। चेरापूँजी जैसे कुछ स्थान ऐसे हैं जहाँ प्रचुर वर्षा होने के बावजूद पेयजल की समस्या बनी रहती है, तो दूसरी तरफ कुछ स्थान ऐसे स्थान भी हैं जहाँ के निवासियों को जल प्राप्त करने के लिए प्रतिदिन पाँच-सात किलोमीटर तक चल कर जल प्राप्त करना पड़ता है। ऐसे जगहों पर परिवार के कुछ सदस्यों को जल व्यवस्था की जिम्मेदारी सौंप दी जाती है। बिडम्बना देखिए कि हमारे देश के अधिकांश जगहों पर पानी की सुलभता से उपलब्ध हो जाने के कारण आमजन उसका उपयोग तो खूब करते हैं, परन्तु उसके महत्व को समझ नहीं पाते हैं। ऐसी परिस्थिति में जल अपव्यय रोकने और उपयोग में संयम बरतने के लिए समझाया जाना चाहिए। इसके साथ ही जल स्रोतों को प्रदूषण से बचाने तथा उनके संरक्षण की दिशा में सक्रिय योगदान प्राप्त करने हेतु वर्तमान पीढ़ी को प्रेरित और क्रियाशील करने की आवश्यकता है। इधर बीच भारत सहित अनेक राष्ट्रों ने जल संरक्षण की दिशा में काफी कार्य हो रहा है। ऐसा देखा जाता है कि जिस समाज में जल का जितना ही ज्यादा अपव्यय होता है, उस समाज में हिंसा की संभावना भी उतनी ही अधिक हो जाती है। पानी का गहराता संकट हमारे लिए एक शिक्षा और चुनौती है कि हम अपने लिए और अपनी आने वाली पीढ़ी के लिए समय रहते कुछ न कुछ अवश्य ही करें। हम जानते हैं कि मानव शरीर में जो खरबों कोशिकाएँ होती हैं, वे परमाणुओं से ही मिलकर बनती हैं। हम यह भी जानते हैं कि अणु एवं परमाणु स्वयं में निर्जीव होते हैं, परन्तु ये निर्जीव अणु व परमाणु ही मिल कर जीव का निर्माण करते हैं। जीवों में संचालित सभी प्रकार की महत्वपूर्ण जैविक क्रियायें जल की उपस्थिति में ही संचालित हो पाती हैं। इसीलिए जल को 'प्रकृति का संचालक' भी कहा जाता है।

विचार मंथन

बिहार में जेडीयू का अंत?

(लेखक- सनत जैन)

ना नौ मन तेल होगा ना राधा नाचेगी

बिहार की राजनीति में हाल ही में हुई घटनाओं ने जेडीयू के अस्तित्व पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं। केसी त्यागी, जेडीयू के कद्दावर नेता और पार्टी के प्रवक्ता थे। उन्हें अचानक राष्ट्रीय प्रवक्ता पद से हटा दिया गया है। इसको केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की रणनीति के तहत देखा जा रहा है। जिसका उद्देश्य जेडीयू को कमजोर कर खत्म करना और क्षेत्रीय दलों में दहशत पैदा करना है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पी नड्डा पिछले चुनाव में क्षेत्रीय दलों के अस्तित्व को खत्म होने का दावा कर चुके हैं। जेडीयू के अंदरूनी हालात पर नजर डालने से स्पष्ट है, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अब पहले जैसे सक्रिय और प्रभावी नेता नहीं रहे हैं। उनकी खराब सेहत के कारण पार्टी का नेतृत्व संजय झा और कुछ अन्य नेताओं के हाथों में चला गया है। सत्ता संगठन पर नीतीश की पकड़ कमजोर हो गई है। इस बदलाव ने पार्टी के भीतर और बाहर सत्ता और संगठन के संतुलन को हिला दिया है। केसी त्यागी, ने हाल ही में मुस्लिम समुदाय से जुड़े मुद्दों पर केंद्र सरकार की आलोचना की थी, इसके बाद त्यागी को हटाने के संकेत मिलना शुरू हो गए थे। गृहमंत्री अमित शाह जेडीयू के भीतर असंतोष का फायदा उठाना चाहते हैं। त्यागी ने मुस्लिम समुदाय के प्रति जेडीयू की सकारात्मक छवि बनाने की कोशिश की थी, जो अब बीजेपी के लिए एक बडी मुसीबत बन रही थी। जेडीयू का पारंपरिक भूमिहार वोट बैंक में बीजेपी सेंध लगा रही है। अशोक चौधरी के भूमिहारों के खिलाफ दिए बयान से जेडीयू के वोट बैंक को कमजोर कर दिया है। यह स्थिति बीजेपी के लिए जेडीयू की आपदा में एक अवसर है। जेडीयू के समर्थन आधार को भाजपा के पक्ष में करने की तैयारी अमित शाह की रणनीति है। अमित शाह की रणनीति का दूसरा पहलू है, अन्य एनडीए सहयोगियों को भी बिहार और जदयू के माध्यम से संदेश दिया जाए कि एनडीए के भीतर असहमति की कोई गुंजाइश नहीं है। यही रणनीति चिराग पासवान के मामले में भी देखने को मिल रही है। उन्हें भी तुरंत अनुशासन में लाने की तैयारी कर ली गई है। स्पष्ट है, कि अमित शाह ने जेडीयू को खत्म करने और बिहार में बीजेपी के लिए राजनीतिक जमीन तैयार करने की दिशा में कठोर, सटीक और सफल कदम उठाया है। इस रणनीति का उद्देश्य जेडीयू को कमजोर कर खत्म करना है। यह भी सुनिश्चित करना है, कि बाकी सहयोगी दलों में भी बीजेपी के प्रति दहशत के साथ वफादारी बनी रहे। आने वाले समय में, यह देखना होगा, जेडीयू इस चुनौती का सामना किस तरह से करता है। क्या केसी त्यागी जैसे नेता इस राजनीतिक संकट के बीच नए विकल्प की तलाश करते हैं। या पार्टी के अंदर रहते हुये लड़ाई का नया मोर्चा खोलते हैं। केन्द्र की एनडीए सरकार के पास एकमात्र विकल्प बचा है। सहयोगी दल उसके साथ बने रहें। अन्यथा उनके सांसदों को भाजपा में शामिल कराकर उनका अस्तित्व ही समाप्त कर दिया जाए। एनडीए गठबंधन के सहयोगी दलों द्वारा जिस तरह से भारतीय जनता पार्टी और केंद्र सरकार के कामकाज में रोड़ा अटकाया जा रहा है। उससे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह काफी नाराज हो गए हैं। भारतीय जनता पार्टी को सदन में स्पष्ट बहुमत हो। क्षेत्रीय दलों की ब्लैकमेलिंग से बाहर निकलने के लिए केंद्रीय गृहमंत्री की ओर से ऑपरेशन लोटस शुरु कर दिया गया है। जो भी क्षेत्रीय छत्रप आंख दिखाने की कोशिश करेंगे उनके सांसदों को भाजपा में प्रवेश देकर उस पार्टी को समाप्त करने की रणनीति शुरु हो चुकी है बिहार इसका पहला प्रयोग है। भाजपा नेतृत्व का मानना है कि जब क्षेत्रीय दल ही नहीं रहेगा, रोजाना जो चुनौती मिल रही है वह भी समाप्त हो जाएगी। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में तीसरी बार सरकार को स्पष्ट बहुमत मिले। इसके लिए अब भाजपा कोई कोर कसर छोड़ने तैयार नहीं है। इस बार भाजपा ने अपने सहयोगी दलों को निशाने पर लिया है। बिहार की घटना के बाद सहयोगी दलों में भारी दहशत का वातावरण बन गया है। इसकी परिणति कैसी होगी, कहना मुश्किल है।

adani | Energy Solutions

अदाणी एनर्जी ने खावड़ा पारेषण परियोजना का किया अधिग्रहण

नई दिल्ली । अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस (एईएसएल) ने खावड़ा चौथे चरण की पार्ट-ए पारेषण परियोजना के 298 किलोमीटर लंबे विशेष उद्देश्य वाहन (एसपीवी) का अधिग्रहण किया है। कंपनी बयान के अनुसार खावड़ा आईवीए पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड (एक एसपीवी) की स्थापना आरईसी पावर डेवलपमेंट एंड कंसल्टेंसी लिमिटेड (आरईसीपीडीसीएल) द्वारा खावड़ा आरई पार्क से सात गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा निकालने के लिए की गई थी। एईएसएल अगले 24 महीने में गुजरात में बीओओटी (निर्माण, स्वामित्व, संचालन व हस्तांतरण) आधार पर परियोजना शुरू करेगी। बयान में कहा गया है` कि कंपनी 298 किलोमीटर (596 सीकेएम) पारेषण परियोजना के निर्माण के लिए 4,091 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। एईएसएल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा` कि दुनिया के सबसे बड़े नवीकरणीय ऊर्जा पार्क के रूप में खावड़ा को ऐसे बिजली निकासी बुनियादी ढांचे की आवश्यकता है जो न केवल विश्व स्तरीय हो, बल्कि जुझारू तथा भविष्य के लिए भी तैयार हो।

महिंद्रा की बिक्री अगस्त में नौ प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली। महिंद्रा एंड महिंद्रा की अगस्त में कुल थोक बिक्री सालाना आधार पर नौ प्रतिशत बढ़कर 76,755 इकाई हो गई। मोटर वाहन विनिर्माता की अगस्त 2023 में थोक बिक्री 70,350 इकाई रही थी। महिंद्रा एंड महिंद्रा ने बयान में कहा कि घरेलू बाजार में बिक्री पिछले महीने 16 प्रतिशत बढ़कर 43,277 इकाई हो गई, जबकि पिछले साल अगस्त में यह 37,270 इकाई थी। कंपनी का कुल निर्यात अगस्त में 26 प्रतिशत बढ़कर 3,060 इकाई हो गया, जो एक वर्ष पहले इसी महीने में यह 2,423 इकाई था। एमएंडएम के अनुसार अगस्त में उसकी ट्रैक्टर की कुल बिक्री सालाना आधार पर एक प्रतिशत बढ़कर 21,917 इकाई रही, जो अगस्त 2023 में 21,676 इकाई थी। महिंद्रा एंड महिंद्रा के एक अे धिकारी ने कहा कि आने वाले त्योहारों, सामान्य से बेहतर मानसून, खरीफ की अच्छी फसल और किसानों के लिए अनुकूल व्यापार शर्तों से ट्रैक्टर उद्योग की वृद्धि को बढ़ावा मिलने की संभावना है।

विलय की मंजूरी के बाद जीजीएल के शेयर में उछाल

नई दिल्ली। सरकार के स्वामित्व वाली गैस कंपनी गुजरात गैस लिमिटेड (जीजीएल) के शेयरों में सोमवार को भारी उछाल देखने को मिला है। जीजीएल के शेयर सोमवार को 13 प्रतिशत बढ़े हैं। शेयरों में तेजी की पीछे की वजह गुजरात गैस के बोर्ड की ओर से गुजरात स्टेट पेट्रोनेट लिमिटेड (जीएसपीएल) और गुजरात स्टेट पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन (जीएसपीसी) के विलय और विभाजन मंजूरी को मना जा रहा है। जानकारी के मुताबिक गुजरात स्टेट पेट्रोनेट लिमिटेड (जीएसपीएल) ने एक अहम रीस्ट्रक्चर प्लान को मंजूरी दी है, जिसके तहत जीएसपीसी, जीएसपीएल और जीएसपीसी एनर्जी लिमिटेड (जीईएल) का गुजरात गैस लिमिटेड में विलय हो जाएगा। इस निर्णय का मकसद व्यावसायिक तालमेल और परिचालन दक्षता को बढ़ाना और इन संस्थाओं की होल्डिंग स्ट्रक्चर को सरल बनाना है। बता दें कि विलय के शर्तों के मुताबिक गुजरात स्टेट पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन (जीएसपीसी) के शेयरहोल्डर्स को प्रत्येक 305 शेयरों के एवज में गुजरात गैस के 10 शेयर दिए जाएंगे, जबकि जीएसपीएल के शेयरधारकों को प्रत्येक 13 शेयरों के बदले गुजरात गैस के 10 शेयर मिलेंगे।

GUJARAT GAS
CNG

एक अरब डॉलर लेकर.....तीन कंपनियों को खरीदने निकले गौतम अडानी

मुंबई । हिंडनबर्ग रिसर्च के जिन्न का पीछा छूटने के साथ ही अडानी ग्रुप फिर फ्रंटफुट पर आ गया है। देश के तीसरे बड़े औद्योगिक घराने ने अपने फूड और एमएमसीजी बिजनस को बढ़ाने के लिए एक अरब डॉलर यानी करीब 8,388 करोड़ रुपये का फंड बनाया है। एक रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से यह दावा किया जा रहा है। देश में पैकेज्ड कंज्यूमर गुड्स का बाजार तेजी से बढ़ रहा है और गौतम अडानी इसका फायदा उठाना चाहते हैं। अडानी ग्रुप के एफएमसीजी कंपनी अडानी विल्मर देश के दक्षिणी और पूर्वी क्षेत्र में कम से कम तीन कंपनियों को खरीदने की तैयारी में है। इसमें रेडी-टु-कुक फूड्स और पैकेज्ड एडिबल ब्रांड्स शामिल हैं। अडानी विल्मर में अडानी और सिंगापुर के विल्मर ग्रुप की हिस्सेदारी है। इसके पास फॉर्च्यून ऑयल और कोहिनूर राइस ब्रांड है। कंपनी हाल में स्टेक बेचने की तैयारी में थी लेकिन अब वह तेजी से कैपेक्स एक्सपेंडीचर कर रही है। अडानी की योजना कंज्यूमर फेसिंग बिजनस से रेवेन्यू को बढ़ाकर 25 से 30 फीसदी करने की है। इसमें फूड, एमएमसीजी, कमोडिटी और एयरपोर्ट बिजनेस शामिल है। सूत्रों ने बताया कि अडानी विल्मर की अगले दो से तीन साल में कई कंपनियों को खरीदने की योजना है। ग्रुप की नजर खासकर साउथ और ईस्ट के मार्केट पर है। वहां इस साल और अगले साल कम से कम तीन कंपनियों के अधिग्रहण की योजना है।

सूत्र ने कहा कि अडानी ग्रुप की योजना एफएमसीजी बिजनस पर 80 करोड़ से एक अरब डॉलर खर्च करने की योजना है। इसमें से प्रत्येक की वैल्यू कम 20 से 25 करोड़ डॉलर हो सकती है। अडानी विल्मर का पिछले साल रेवेन्यू 51,261.63 करोड़ रुपये रहा। फिलहाल कंपनी की मौजूदगी देश की पश्चिमी, सेंट्रल और उत्तरी राज्यों में है। लेकिन अब कंपनी दक्षिणी और पूर्वी राज्यों पर फोकस कर रही है। कंपनी इन इलाकों की टॉप कंपनियों की खरीदकर वहां अपनी मौजूदगी बढ़ाना चाहती है। टाटा और रिलायंस के बाद अडानी ग्रुप भारत का तीसरा बड़ा औद्योगिक ग्रुप है।

मारुति सुजुकी ने ऑल्टो के10, एस-प्रेसो की कीमत घटाई

ALTO K10
S-PRESSO

मुंबई । देश की वाहन बनाने वाली प्रमुख कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया ने ऑल्टो के10 और एस-प्रेसो के चुनिंदा संस्करणों की कीमत में तत्काल प्रभाव से कटौती की है। मोटर वाहन विनिर्माता ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि एस-प्रेसो एलएक्सआई पेट्रोल की कीमत 2,000 रुपये और ऑल्टो के10 वीएक्सआई पेट्रोल की कीमत 6,500 रुपये घटाई गई है। ऑल्टो के10 की कीमत 3.99 लाख रुपये से 5.96 लाख रुपये के बीच है, जबकि एस-प्रेसो की कीमत 4.26 लाख रुपये से 6.11 लाख रुपये एक्स-शोरूम दिल्ली के बीच है। कंपनी की छोटी कारों की बिक्री अगस्त में घटकर 10,648 इकाई रह गई, जबकि एक साल पहले इसी महीने यह 12,209 इकाई थी।

महाराष्ट्र में अपनी पसंद का वाहन नंबर लेना हुआ महंगा

- 0001 नंबर लेने के लिए खर्च करने पड़ेंगे छह लाख रुपए

नई दिल्ली । महाराष्ट्र सरकार ने नए वाहनों के लिए वीआईपी नंबर के लिए ली जाने वाली फीस बढ़ा दी है। बता दें कि मुंबई, पुणे और अन्य शहरों जैसे ज्यादा मांग वाले महाराष्ट्र के क्षेत्रों में चार पहिया वाहनों के लिए सबसे लोकप्रिय '0001' नंबर के लिए आपको अब छह लाख रुपये खर्च पड़ेंगे। परिवहन विभाग की 30 अगस्त की नोटिफिकेशन के अनुसार, चार पहिया वाहनों के लिए हाई प्रोफ़ाइल नंबर '0001' की कीमत मौजूदा तीन लाख रुपये से बढ़कर पांच लाख रुपये हो जाएगी। इसके अलावा दोपहिया और तिपहिया वाहनों के लिए यह फीस मौजूदा 50,000 रुपये के बजाय अब एक लाख रुपये होगी। मुंबई, मुंबई उपनगरीय, पुणे, ठाणे, रायगढ़, औरंगाबाद, नासिक, कोल्हापुर और नासिक जैसे उच्च मांग वाले क्षेत्रों में '0001' के लिए वीआईपी शुल्क छह लाख रुपये होगा, जबकि चार या अधिक पहियों वाले वाहनों के लिए यह चार लाख रुपये होगा।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार सोमवार को बढ़त पर बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी होने से बाजार उछला है। दिन भर के कारोबार के बाद आज 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 194.07 अंक करीब 0.24 फीसदी बढ़कर 82,559.84 के स्तर पर बंद हुआ, वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 50 0.17 फीसदी करीब 42.80 अंक बढ़कर 25,278.70 के स्तर पर बंद हुआ। इंट्रा डे कारोबार के दौरान आज सेंसेक्स 82,725.28 के उच्च स्तर और निफ्टी 25,333.65 के रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुआ।

सेक्टोरल इंडेक्स पर नजर डालें तो निफ्टी एफएमसीजी 0.82 फीसदी, निफ्टी आईटी 0.44 फीसदी, निफ्टी पीएसयू बैंक 0.51 फीसदी और निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज 0.66 फीसदी के बल पर शेयर बाजार को बढ़त बनाने में सहायता मिली। आज कारोबार के दौरान आईटी इंडेक्स अपने शीर्ष स्तर पर पहुंच गया जबकि निफ्टी मेटल -1.04 फीसदी, फार्मा -0.99 फीसदी, ऑटो -0.39 फीसदी और मीडिया 0.47 फीसदी ने बाजार पर विपरीत दबाव बनाया।

जानकारों के अनुसार अमेरिकी ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद और नए सिरे से विदेशी पूंजी के प्रवाह घरेलू इक्विटी में तेजी से बाजार को सहायता मिली है।

आज कारोबार के दौरान एसएंडपी बीएसई सेंसेक्स पर आज 18 शेयर लाभ पर बंद हुए, जबकि निफ्टी के 27 शेयर उछले। सेंसेक्स पर बजाज फिनसर्व के शेयरों का प्रदर्शन सबसे अच्छा रहा। बजाज फिनसर्व के शेयर आज 3.23 फीसदी की बढ़त के साथ ही 1840.10 रुपये पर बंद हुए। वहीं दूसरे नंबर पर बजाज फाइनेंस में 3.18 फीसदी की बढ़त रही।

इसके अलावा, सेंसेक्स के शीर्ष लाभ वाले शेयरों में एचसीएल टेक, आईटीसी, इंडसइंड बैंक, एक्सिस बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट्स, इंफोसिस, अदाणी पोर्ट्स, एसबीआई, एशियन पेंट्स, टेक महिंद्रा जैसे शेयर रहे।

वहीं आज सेंसेक्स के सबसे अधिक गिरावट वाले शेयरों में एनटीपीसी के शेयर रहे। इसके शेयर आज 1.57फीसदी की गिरावट के साथ 409.85 रुपये पर बंद हुए। इसके अलावा, टाटा मोटर्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा एमएंडएम), भारती एयरटेल, पावरग्रिड, एलएंडटी, टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, सनफार्मा, नेस्ले इंडिया, जेडीडब्यलू स्टील और आईसीआईसीआई बैंक के शेयर गिरावट पर बंद हुए।

HINDALCO +0.7%
107 +0.70

दुनिया भर के बाजारों की बात करें तो एशियाई बाजारों में, सियोल और टोक्यो के शेयर शेयर उछले जबकि शंघाई और हांगकांग के शेयर नीचे आये अमेरिकी बाजार में भी गिरावट दर्ज की गयी।

इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुला।

शुरुआती कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 222 अंक की बढ़त के साथ 82,58.53 पर कारोबार कर रहा था, जबकि निफ्टी 50 97.70 अंक की बढ़त के साथ 25,333.60 पर कामकाज कर रहा था।

गोदरेज प्रॉपर्टीज ने जून तिमाही में सबसे अधिक संपत्तियां बेचीं

21 बड़ी रियल स्टेट कंपनियों ने जून तिमाही में 35 हजार करोड़ की संपत्तियां बेचीं

नई दिल्ली । देश में 21 रियल स्टेट कंपनियों ने अप्रैल-जून तिमाही के दौरान कुल मिलाकर लगभग 35,000 करोड़ रुपये मूल्य की संपत्तियां बेची हैं। इनमें गोदरेज प्रॉपर्टीज ने सबसे अधिक बिक्री बुकिंग की सूचना दी है। कुछ को छोड़कर, सभी प्रमुख सूचीबद्ध रियल एस्टेट डेवलपर ने अप्रैल-जून तिमाही में बिक्री बुकिंग में वार्षिक वृद्धि दिखाई है। इसमें आवासीय संपत्तियों, विशेष रूप से लक्जरी घरों के लिए मजबूत उपभोक्ता मांग का बड़ा योगदान रहा है। शेयर बाजार को दी गई सूचनाओं के संकलित आंकड़ों के अनुसार भारत की 21 प्रमुख सूचीबद्ध रियल एस्टेट कंपनियों ने वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में 34,927.5 करोड़ रुपये की संयुक्त बिक्री बुकिंग की सूचना दी है। इन संयुक्त बिक्री बुकिंग में से बिक्री का बड़ा हिस्सा आवासीय क्षेत्र से आया। बिक्री बुकिंग के मामले में, गोदरेज प्रॉपर्टीज जून तिमाही में 8,637 करोड़ रुपये की बिक्री बुकिंग के साथ सबसे बड़ी सूचीबद्ध कंपनी के रूप में उभरी। बाजार पूंजीकरण के लिहाज से देश की सबसे बड़ी रियल्टी कंपनी डीएलएफ लिमिटेड की चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में बिक्री बुकिंग तीन गुना से अधिक की वृद्धि के साथ 6,404 करोड़ रुपये रही है। लोढ़ा ब्रांड के तहत संपयां बेचने वाली मुंबई की मैक्रोटेक डेवलपर्स ने 4,030 करोड़ रुपये की बिक्री बुकिंग दर्ज की। हाल ही में सूचीबद्ध हुई गुरुग्राम स्थित सिग्नेचर ग्लोबल ने जून तिमाही में 3,120 करोड़ रुपये की बिक्री बुकिंग हासिल की, जो पिछले वर्ष की समान तिमाही की तुलना में तीन गुना है।

बेंगलुरू स्थित प्रेस्टीज एस्टेट्स प्रोजेक्ट्स ने जून तिमाही में 3,029.5 करोड़ रुपये की बिक्री बुकिंग दर्ज की, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि से कम है। बेंगलुरू स्थित फर्म शोभा लिमिटेड और ब्रिगेड एंटरप्राइजेज ने इस वित्त वर्ष की अप्रैल-जून अवधि के दौरान क्रमशः 1,874 करोड़ रुपये और 1,086 करोड़ रुपये की संपत्तियां बेचीं।

नया एमएसएमई क्रेडिट असेसमेंट मॉडल अगले साल होगा लांच

नई दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) के लिए एक नया माइक्रो, छोटे और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) क्रेडिट असेसमेंट मॉडल मार्च 2025 तक लॉन्च होने की उम्मीद जताई जा रही है। इस मॉडल की तैयारी तेजी से चल रही है और इसे वित्तीय वर्ष 2024-25 के आ खिर तक पेश करने की योजना है। एक पीएसबी अधिकारी ने बताया कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वित्त वर्ष 25 के बजट में पीएसबी को एमएसएमई के लिए आंतरिक रूप से क्रेडिट मूल्यांकन की क्षमता विकसित करने का प्रस्ताव रखा था जिससे बाहरी मूल्यांकन की आवश्यकता कम हो सके। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि पीएसबी एक नया क्रेडिट असेसमेंट मॉडल विकसित या अधिग्रहित करेंगी, जो एमएसएमई के डिजिटल फुटप्रिंट्स पर आधारित होगा। यह पारंपरिक क्रेडिट असेसमेंट पद्धतियों की तुलना में एक बड़ा सुधार होगा जो केवल संपत्ति या टर्नओवर मानदंडों पर निर्भर करती हैं। नए मॉडल में क्रेडिट मूल्यांकन के लिए पारंपरिक क्रेडिट स्कोर के बजाय एमएसएमई की सप्लाई-चेन डायनामिक्स, डिजिटल फुटप्रिंट्स, और उद्योग-विशिष्ट परिस्थितियों पर ध्यान दिया जाएगा। यह एक अधिक व्यापक और सटीक मूल्यांकन प्रदान करेगा।

मारुति, टाटा मोटर्स की बिक्री में गिरावट, किआ इंडिया में 17 प्रतिशत की तेजी

- मारुति सुजुकी की बिक्री 5.3 प्रतिशत, टाटा मोटर्स की आठ प्रतिशत घटी

नई दिल्ली । देश की प्रमुख कार बनाने वाली कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया और सबसे बड़ी वाहन कंपनी टाटा मोटर्स की बिक्री में अगस्त में गिरावट देखी गई है। मारुति सुजुकी ने बताया कि उसकी कुल घरेलू बिक्री 5.3 प्रतिशत घटकर 1,55,779 इकाई रह गई, जबकि पिछले साल यह 1,64,468 इकाई थी। ऑटोमेकर ने अगस्त में 26,003 इकाइयों का निर्यात किया, जो पिछले साल की समान अवधि की 24,614 इकाइयों से अधिक है। चालू वित्त वर्ष के दौरान अप्रैल-अगस्त की अवधि में मारुति सुजुकी इंडिया ने कुल 8,78,691 इकाइयों की बिक्री की, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि की 8,68,742 इकाइयों की तुलना में कम है।

टाटा मोटर्स की कुल घरेलू बिक्री करीब आठ प्रतिशत घटकर 70,006 इकाई रह गई। पिछले साल अगस्त में यह आंकड़ा 76,261 इकाई रहा था। घरेलू बिक्री और निर्यात समेत कंपनी की कुल बिक्री भी एक साल पहले की 78,010 इकाई से घटकर 71,693 इकाई पर आ गई। कंपनी के वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री 15 फीसदी की गिरावट के साथ 27,207 इकाई रह गई। इसमें घरेलू बिक्री 16 फीसदी घटकर 25,864 इकाई हो गई है। कंपनी के यात्री वाहनों की घरेलू बिक्री तीन प्रतिशत घटकर 44,142 इकाई रही। इसके अलावा कंपनी के यात्री वाहनों का निर्यात 18 फीसदी घटकर 344 इकाई पर आ गया। किआ इंडिया ने अगस्त में 22,523 इकाइयों की घरेलू बिक्री दर्ज की, जो पिछले साल के इसी महीने में बेची गई 19,219 इकाइयों की तुलना में 17.19 प्रतिशत अधिक है। कंपनी ने बताया कि नई सोनेट की 10,073 इकाइयां बिकीं, जिसका इस उपलब्धि में महत्वपूर्ण योगदान रहा। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर इंडिया की कुल बिक्री अगस्त में 35 प्रतिशत बढ़कर 30,879 इकाई हो गई, जबकि एक साल पहले यह 22,910 इकाई थी। टोयोटा किर्लोस्कर के सेकेंड हैंड कारों की बिक्री-सेवा कारोबार के एक अे धिकारी ने कहा कि त्योहारी सीजन से पहले हमारे उत्पादों की मांग में उछाल बना हुआ है। अगस्त में जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया की खुदरा बिक्री सालाना आधार पर नौ प्रतिशत बढ़कर 4,571 इकाई हो गई। कंपनी ने पिछले साल की समान अवधि में 4,185 इकाइयां बेची थीं। कंपनी 11 सितंबर को भारतीय बाजार में एक नया मॉडल विंडसर लॉन्च करेगी।

पेट्रोल-डीजल यूपी के कई शहरों में सस्ता तो कहीं हुआ महंगा

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में कचे्चे तेल की कीमतों में एक बार फिर तेजी देखी गई है। इसका असर देश में पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतों पर भी दिख रहा है। सरकारी तेल कंपनियों की ओर से सोमवार सुबह जारी तेल की कीमतों में कई शहरों में उछाल दिख रहा है। देश के चारों महानगरों में पेट्रोल-डीजल के दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ है। सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार यूपी के गौतम बुद्ध नगर जिले में पेट्रोल 11 पैसे सस्ता होकर 94.83 रुपये लीटर, डीजल भी 12 पैसे गिरा और 87.96 रुपये लीटर पहुंच गया है। गाजियाबाद में पेट्रोल 26 पैसे महंगा होकर 94.65 रुपये लीटर हो गया तो डीजल 30 पैसे चढ़कर 87.75 रुपये लीटर बिक रहा है। लखनऊ में पेट्रोल 12 पैसे महंगा हुआ और 94.65 रुपये लीटर बिक रहा, जबकि डीजल 14 पैसे चढ़कर 87.76 रुपये लीटर के भाव है। कच्चे तेल की बात करें तो बीते 24 घंटे में इसकी कीमतों में भी उछाल दिख रहा है। ब्रेंट क्रूड का भाव चढ़कर 76.46 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। डब्ल्यूटीआई भी बढ़त के साथ 73.13 डॉलर प्रति बैरल हो गया है। दिल्ली में पेट्रोल 96.65 रुपये और डीजल 89.82 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर है।

सरकारी कंपनियों के बोनस शेयर और बायबैक नियमों में होगा बदलाव

सरकार 2016 के दिशानिर्देशों में करेगी संशोधन

नई दिल्ली । शेयर बाजार में लिस्टेड सरकारी कंपनियों के स्टॉक में डिविडेंड, बोनस शेयर और शेयर बायबैक से जुड़े नियमों में सरकार संशोधन करने जा रही है। दरअसल इस मामले में सरकार 2016 के दिशानिर्देशों में संशोधन करने पर काम कर रही है। अधिकारियों ने कहा है कि इस महीने वित्त मंत्रालय द्वारा रिवाइज्ड गाइडलाइंस जारी किए जाने की उम्मीद है। वित्त मंत्रालय ने मई 2016 में सीपीएसई में सरकारी निवेश के कुशल प्रबंधन के लिए केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के पूंजी पुनर्गठन पर डिटेल्ड गाइडलाइंस जारी की थी। एक अधिकारी ने बताया` कि सीपीएसई अब बहीखाते के मामले में ज्यादा मजबूत हैं और उनके मार्केट कैपिटलाइजेशन में सुधार हुआ है इसलिए अब पूंजी पुनर्गठन दिशानिर्देशों पर फिर से विचार करने का समय आ गया है। जारी किए गए पूंजी पुनर्गठन दिशानिर्देशों के अनुसार जिन सीपीएसई के पास व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए अपनी पूंजी को अनुकूलतम रूप से निवेश करने की योजना नहीं है, उन्हें अधिशेष निधियों पर पेशेवर रूप से विचार करना चाहिए। निवेश एवं सार्वजनिक परिसंपत्ति प्रबंधन विभाग के मई 2016 में जारी दिशानिर्देशों के अनुसार प्रत्येक सीपीएसई को मुनाफे का 30 प्रतिशत या कुल परिसंपत्ति का 5 प्रतिशत न्यूनतम एनुअल डिविडेंड देना आवश्यक है। इसके साथ ही कम से कम 2,000 करोड़ रुपये की कुल परिसंपत्ति और 1,000 करोड़ रुपये से अधिक की नकदी और बैंक जमा वाले प्रत्येक सीपीएसई को शेयर पुनर्खरीद का विकल्प चुनना जरूरी है। , बोनस शेयर भी तभी जारी किए जाएंगे, जब सीपीएसई के निर्धारित भंडार और अधिशेष उसकी चुकता इक्विटी शेयर पूंजी के 10 गुना के बराबर या उससे ज्यादा हो।

सरकार लाएगी रिपेयर इंडेक्स, दिसंबर तक होगा लांच

नई दिल्ली ।

जल्द ही आपको टीवी या मोबाइल खरीदते वक्त पता चल जाएगा कि आप जो इलेक्ट्रॉनिक आइटम खरीद रहे हैं वह खराब होने पर आसानी से दोबारा रिपेयर हो जाएगी या आपको उसे ठीक कराने में काफी पापड़ बेलने पड़ेंगे। इसके लिए सरकार रिपेयर इंडेक्स लाएगी। यह इंडेक्स इस साल दिसंबर तक लॉन्च हो जाएगा। इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों के रिपेयर सूचकांक से बढ़ती ई-कचरे की समस्या का समाधान होगा और निर्माताओं को अधिक आसानी से मरम्मत योग्य उत्पाद बनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकेगा। केंद्रीय उपभोक्ता मामलों का मंत्रालय इसे बनाएगा। उपभोक्ताओं को यह जानकारी देने के लिए प्रमुख मापदंडों पर स्कोर प्रदान करेगा कि किसी उत्पाद की मरम्मत कितनी आसानी से की जा सकती है। एक कार्यशाला को संबोधित करते हुए, उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे ने मंत्रालय के रिपेयर इंडेक्स बनाने की योजना की जानकारी दी। प्रस्तावित सूचकांक अन्य देशों के रिपेयर इंडेक्सेस के अध्ययन के बाद बनाया जा रहा है। फ्रांस का रिपेयर इंडेक्स पांच मानको पर आधारित होता है। यह तकनीकी दस्तावेजों की उपलब्धता, डिसएसेंबली में आसानी, स्पेयर पार्ट्स की उपलब्धता और कीमत जैसे मानदंडों पर उत्पादों को रेटिंग देता है। भारतीय रिपेयर इंडेक्स भी किसी भी उत्पाद को पांच में से कोई एक रेटिंग देगा। गौरतलब है कि सरकार ने पहले ही एक राइट टू रिपेयर पोर्टल लॉन्च कर दिया है, जिसमें 63 कंपनियां शामिल हैं। भारत, चीन और अमेरिका के बाद दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा इलेक्ट्रॉनिक कचरा उत्पादक है। एचसीएल टेक्नोलॉजीज के संस्थापक अजय चौधरी ने कार्यशाला में कहा कि आज, अधिकांश उत्पाद मरम्मत योग्य नहीं हैं। हमें ऐसे उत्पाद डिजाइन करने की आवश्यकता है जिन्हें मरम्मत किया जा सके। जब तक कानून नहीं बनाते, चीजें नहीं बदलेंगी। इसलिए इस दिशा में कानून बनाने की जरूरत है। मालूम हो कि आजकल बाजार में बिक रहे टीवी-मोबाइल जैसे इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों के साथ सबसे बड़ी दिक्कत इनकी रिपेयरिंग है। खराब होने पर इनकी मरम्मत आसानी से नहीं होती। कुछ के ओरिजिनल पार्ट्स नहीं मिलते और मजबूरी में घटिया कलपुर्जे डलवाकर काम चलाना पड़ता है।

श्रीलंका पर जीत के साथ इंग्लैंड को डब्ल्यूटीसी अकों में फायदा, लेकिन अभी भी अपने स्थान पर बरकरार

लंदन (एजेंसी)। जो रूट के दोहरे शतक और गस एटकिंसन के ऑल-राउंड प्रदर्शन की मदद से इंग्लैंड ने लॉर्ड्स में श्रीलंका पर 190 रनों की जीत दर्ज की। इस जीत के साथ उनके खाते में 81 डब्ल्यूटीसी अंक हो गए हैं और उनका डब्ल्यूटीसी अंक प्रतिशत 45 हो गया है। वे भारत, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के बाद चौथे स्थान पर बने हुए हैं। दूसरी ओर श्रीलंका की हार ने उनके अंक प्रतिशत को 40 से गिराकर 33.33त्न तक ला दिया है और एशियाई टीम अब दक्षिण अफ्रीका और बांग्लादेश के बाद सातवें स्थान पर है।

एटकिंसन के शानदार प्रदर्शन ने चौथे दिन ही इंग्लैंड की जीत सुनिश्चित कर दी। उन्होंने बल्ले से 118 और 14 रन बनाए, और गेंद से 2/40 और 5/62 रन बनाए। इससे वे फरवरी 2024 में रवींद्र जडेजा के बाद एक ही टेस्ट में पांच विकेट लेने और शतक बनाने वाले पहले पुरुष खिलाड़ी बन गए। एटकिंसन टेस्ट में यह उपलब्धि हासिल करने वाले इंग्लैंड के तीसरे पुरुष खिलाड़ी हैं। इयान बॉथम (जिन्होंने इसे पांच मौकों पर किया था) और टोनी ग्रेग (एक बार) अन्य दो हैं।

आईसीसी की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि एटकिंसन 1984 के बाद से ऐसा करने वाले इंग्लैंड के पहले खिलाड़ी बन गए हैं। यह मौजूदा सत्र में घर पर इंग्लैंड की लगातार पांचवीं जीत थी, 2004 के बाद से एक ही सीजन में पहली बार जब माइकल वॉन की टीम न्यूजीलैंड और वेस्टइंडीज पर क्रमशः 3-0 और 4-0 से श्रृंखला जीत के साथ अपराजित रही थी। यह भी पहली बार था जब श्रीलंका ने 1991 के बाद से लॉर्ड्स में टेस्ट गंवाया था, जिससे इस स्थल पर लगातार पांच ड्रॉ मैचों का सिलसिला समाप्त हो गया। 31 अगस्त को जो रूट ने दूसरी पारी में अपना 34वां टेस्ट शतक जड़ा था।

15 साल पहले ट्रेन दुर्घटना में गंवा दिया था पैर, अब नितेश कुमार ने पेरिस पैरालिंपिक खेलों में जीता गोल्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के कुमार नितेश ने सोमवार को यहां पुरुष एकल एसएल3 बैडमिंटन फाइनल में ग्रेट ब्रिटेन के डेनियल बेथेल को हराकर पैरालिंपिक में अपना पहला स्वर्ण पदक जीता। हरियाणा के 29 वर्षीय खिलाड़ी ने अपने डिफेंस में दम दिखाया और शॉट चयन में भी सटीकता के साथ एक घंटे 20 मिनट तक चले रोमांचक मुकाबले में टोक्यो के रजत पदक विजेता बेथेल को 21-14, 18-21, 23-21 से हराया।

एसएल3 श्रेणी के खिलाड़ी अधिक गंभीर निचले अंग विकलांगता के साथ प्रतिस्पर्धा करते हैं, जिसके लिए उन्हें आधी चौड़ाई वाले कोर्ट पर खेलना पड़ता है। जब वह 15 वर्ष के थे तब नितेश ने 2009 में विशाखापत्तनम में एक ट्रेन दुर्घटना में अपना बायां पैर खो दिया था, लेकिन वह इस आघात से उबरकर पैरा बैडमिंटन प्लेयर बने।

नितेश की जीत से सोमवार को भारत ने एसएल3 स्वर्ण पदक अपने नाम कर लिया। तीन साल पहले जब पैरा बैडमिंटन ने टोक्यो में पदार्पण किया था, तब प्रमोद भगत ने यह खिताब जीता था।

प्रीति पाल ने रचा इतिहास, पैरालंपिक में दो पदक जीतने वाली पहली महिला पैरा एथलीट बनी

पेरिस (एजेंसी)। भारतीय धाविका प्रीति पाल ने पेरिस पैरालंपिक खेलों में महिलाओं की 200 मीटर टी20 दौड़ में व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ कांस्य पदक जीता है। रविवार रात हुये मुकाबले में प्रीति पाल ने महिलाओं की 200 मीटर टी35 दौड़ में अपने सर्वश्रेष्ठ 30.01 सेकंड के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया। इस जीत के साथ वह पैरालंपिक में दो पदक जीतने वाली पहली ट्रैक और फील्ड भारतीय महिला पैरा एथलीट बन गई हैं। प्रीति पाल एक से ज्यादा पैरालंपिक मेडल जीतने वाली सिर्फ सातवीं भारतीय बनी हैं। इससे पहले शुक्रवार को उन्होंने पैरालंपिक ट्रैक स्पर्धा में भारत का पहला एथलेटिक्स पदक जीता था। उन्होंने महिलाओं की टी35 100 मीटर प्रतियोगिता में 14.21 सेकंड के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय के साथ कांस्य पदक जीता था।

गौतम गंभीर की परफेक्ट प्लेइंग 11 से रोहित और बुमराह बाहर, धोनी-कोहली सहित इन प्लेयर्स को मिली जगह

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय कोच गौतम गंभीर ने ऑल टाइम भारतीय इलेवन का चयन किया है जिसमें सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़ और वीरेंद्र सहवाग सहित भारतीय क्रिकेट के कुछ महान खिलाड़ी शामिल हैं। हैरानी की बात यह है कि गंभीर ने अपनी इलेवन में विराट कोहली और एमएस धोनी को भी शामिल किया है, ये दो खिलाड़ी हैं जिनके बारे में उन्हें अक्सर चिंता रहती है, लेकिन रोहित शर्मा और जसप्रीत बुमराह को टीम से बाहर रखा है। एक यूट्यूब चैनल पर पोस्ट किए गए वीडियो में गंभीर ने खुद को और वीरेंद्र सहवाग को ऑल-टाइम इंडिया इलेवन में सलामी बल्लेबाज के रूप में सूचीबद्ध किया। इस बीच राहुल द्रविड़ और सचिन तेंदुलकर को क्रमशः नंबर 3 और 4 पर जगह मिली। विराट कोहली को नंबर 5 पर टीम में शामिल किया गया है जबकि युवराज सिंह, जो ऑलराउंडर की भूमिका निभाते हैं, को नंबर 6 पर जगह मिली है। इसके अलावा एमएस धोनी नंबर 7 पर विकेटकीपर की भूमिका दी गई है। अनिल कुंबले और रविचंद्रन अश्विन क्रमशः नंबर 8 और 9 पर टीम में दो स्पिनर हैं। दिलचस्प बात यह है कि जसप्रीत बुमराह को गंभीर की ऑल-टाइम इलेवन में शामिल नहीं किया गया है जबकि इरफान पठान और जहीर खान दो तेज गेंदबाज हैं। बल्लेबाजी में योगदान देने की पठान की क्षमता ने बुमराह और अन्य तेज गेंदबाजों से आगे उनके चयन में भूमिका निभाई है जो गंभीर द्वारा अब तक भारतीय टीम को प्रबंधित करने के तरीके के अनुरूप है।

गंभीर की ऑल-टाइम इंडिया इलेवन

वीरेंद्र सहवाग, गौतम गंभीर, राहुल द्रविड़, सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली, युवराज सिंह, महेंद्र सिंह धोनी (विकेटकीपर), अनिल कुंबले, रविचंद्रन अश्विन, इरफान पठान, जहीर खान

वॉन ने रुट को इंग्लैंड का एक महान बल्लेबाज बताया

लंदन । इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने बल्लेबाज जो रूट की जमकर प्रशंसा की है। वॉन ने कहा कि देश की और से सबसे अधिक 34 टेस्ट शतक लगाना आसान नहीं है। उन्होंने रुट का इंग्लैंड का एक महान बल्लेबाज करार दिया है। रूट ने लॉर्ड्स में श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टेस्ट की दोनो पारियों में शतक लगाकर सबसे अधिक 33वां टेस्ट के दिग्गज एलिस्टर कुक के रिकार्ड को तोड़ दिया है। वॉन ने कहा, यह सब अचानक नहीं नहीं हुआ है। यह विशुद्ध तकनीक और क्षमता से जुड़ा हुआ मामला है। जो रूट महान हैं क्योंकि वह एक आदर्श खिलाड़ी हैं। वह एक अच्छे इंसान और बेहतरीन खिलाड़ी हैं। वॉन ने आसानी से रन बनाने के रूट के कौशल की सराहना करते हुए कहा, उसके खेलते समय विरोधी टीम को हमेशा ऑफ साइड पर स्कायर के पीछे चार फील्डर रखने पड़ते हैं क्योंकि वह इस क्षेत्र में बहुत अच्छे हैं।

धोनी पर भड़के युवराज के पिता योगराज, धोनी ने मेरे बेटे का करियर छोटा किया

मुम्बई । पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह के पिता योगराज सिंह ने भारतीय टीम इंडिया के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को लेकर एकबार फिर एक विवादास्पद बयान दिया है। योगराज ने कहा है कि धोनी के कारण ही युवराज का क्रिकेट करियर 4-5 साल छोटा हो गया था। योगराज ने कहा कि क्रिकेट के लिए अपनी उपलब्धियों को देखते हुए उनके बेटे युवराज सिंह को 'भारत रत्न' दिया जाना चाहिये। योगराज ने कहा कि उनका बेटा युवराज भारतीय क्रिकेट में अपने बेहतरीन योगदान के लिए 'भारत रत्न' का अधिकारी है। उन्होंने कहा कि उसे सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार से सम्मानित किया जाना चाहिए। योगराज ने कहा कि युवराज ने जिस तरह से कैंसर से जंग लड़कर टीम में वापसी की। उसे देखते हुए उसको यह यह सम्मान दिया जाना चाहिये। योगराज ने इस दौरान धोनी पर अपनी भड़ास निकाली। योगराज ने कहा कि युवराज उस समय राष्ट्रीय टीम में और अधिक योगदान दे सकते थे क्योंकि वह एक बेहतरीन ऑलराउंडर था। योगराज ने इससे पहले भी धोनी की आलोचना करते हुए कहा था कि जब वह धोनी की कप्तानी में खेलता था तो उसकी राह में बाधाएं डाल दी जाती थीं। योगराज ने कहा, ' मैं धोनी को माफ नहीं करूंगा। उसे स्वयं शीशे में देखना चाहिए। वह बतौर क्रिकेटर शानदार था, जिसे मैं सैल्यूट करता हूं पर जो कुछ उसने मेरे बेटे साथ किया उसके लिए उसे कभी माफ नहीं किया जा सकता।' योगराज ने कहा, ' उस शख्स ने मेरे बेटे की लाइफ बर्बाद की, जो चार-पांच साल और खेल सकता था। मैं चैलेंज करता हूं कि युवराज जैसा बेटा कोई पैदा करके दिखाए। यहां तक की गौतम गंभीर और वीरेंद्र सहवाग भी कह चुके हैं कि उन्होंने कभी युवराज जैसा खिलाड़ी नहीं देखा था। उसने कैंसर से लड़ते हुए देश के लिए विश्व कप जीता, इसलिए उसे भारत रत्न मिलना चाहिये।'

पाक में सुरक्षा के पूरे इंतजाम होने पर ही भारतीय टीम को चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भेजें : हरभजन

मुम्बई । भारतीय टीम के दिगगज स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा है कि चैंपियंस ट्रॉफी के भातरीय टीम को तभी पाकिस्तान भेजा जाना चाहिये जब सरकार को लगे कि सुरक्षा सही है। इसमें किसी भी प्रकार की कमी होने पर टीम को भेजना सही नहीं होगा। हरभजन ने कहा कि एक क्रिकेटर के तौर पर में खेलने के पक्ष में हूं पर सुरक्षा सबसे अहम है। इसके साथ ही ये मामला क्रिकेट ही नहीं उससे आगे का है। वहीं इससे पहले पूर्व पाकिस्तानी स्पिनर दानिश कनेरिया ने कहा था कि पाक में सुरक्षा के हालात बेहद खराब हैं और ऐसे में किसी भी हालात में भारतीय टीम को वहां नहीं जाना चाहिये। हरभजन ने कहा कि पाकिस्तान अगर पूरी तरह से सुरक्षा करता है तभी टीम को भेजने पर विचार किया जा सकता है। वहीं हरभजन ने कहा, पाक में सुरक्षा को लेकर चिंता हमेशा ही रही है। अगर खिलाड़ियों की सुरक्षा वहां पर नहीं होगी तो मुझे नहीं लगता है कि भारतीय टीम को जाना चाहिए। अगर वो कहते हैं कि टीम को पूरी तरह से सुरक्षा दी जाएगी और किसी तरह की कोई दिक्कत नहीं होगी। तो फिर इस बार में सरकार को विचार कर अपनी ओर से फैसला करना चाहिये क्योंकि यह सिर्फ क्रिकेट तक ही सीमित नहीं है ये उससे आगे बढ़कर कहीं ज्यादा है। उन्होंने साथ ही कहा, जहां तक एक क्रिकेटर के तौर पर मैं यही कहना चाहूंगा, आपको क्रिकेट खेलना है वो खेलिए लेकिन वहीं पर सुरक्षा एक मुद्दा तो है। हमारे खिलाड़ियों को तब तक वहां नहीं जाना चाहिए तब तक हमें यह ना लगे ही हां सुरक्षा बिल्कुल पक्की है।

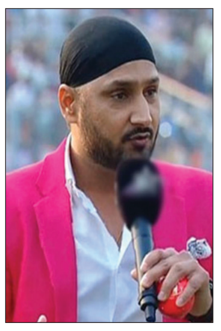

गत चैंपियन कोको गॉफ अमेरिकी ओपन से बाहर

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। गत चैंपियन कोको गॉफ का अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के महिला एकल में अपने खिताब का बचाव करने का अभियान चौथे दौर में ही थम गया। तीसरी वरीयता प्राप्त गॉफ ने 19 डबल फॉल्ट किए जिसका आखिर में उन्हें खामियाजा भुगतना पड़ा और वह एम्मा नवारो से 6-3, 4-6, 6-3 से हार गईं।

गॉफ का पिछली कुछ प्रतियोगिताओं में प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। वह पेरिस ओलंपिक के तीसरे दौर में हार गई थी जबकि अमेरिकी ओपन की तैयारी के सिलसिले में खेले गए टूर्नामेंट में भी वह अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई थी। उन्होंने हालांकि इसे सकारात्मक रूप में लिया। गॉफ ने कहा, 'भले ही कुछ परिणाम अनुकूल नहीं रहे लेकिन मैंने इस सत्र में अच्छा प्रदर्शन किया। कितने ही खिलाड़ी हैं जो चौथे दौर में पहुंचाना चाहते हैं और ओलंपिक का हिस्सा बनना चाहते हैं। कई खिलाड़ी हैं जो ध्वजवाहक बनना चाहते हैं। यह इस परिप्रेक्ष्य में है।'

यह परिणाम शुक्रवार को मौजूदा पुरुष चैंपियन नोवाक जोकोविच की तीसरे दौर में हार के बाद आया है। इसका मतलब है कि अमेरिकी ओपन में अपने खिताब का बचाव करने में असफल रहने का पिछले कुछ वर्षों से चला आ रहा सिलसिला जारी रहेगा। महिला एकल में ऐसा करने वाली आखिरी खिलाड़ी सेरेना विलियम्स थी जिन्होंने 2012 से 2014 तक खिताब जीते थे। पुरुष वर्ग में ऐसा कारनामा रोजर फेडरर ने 2004 से 2008 तक किया था।

जोकोविच को हराने वाले 28 वरीयता प्राप्त एलेक्सी पोपिरिन का सफर भी लंबा नहीं चल पाया और वह फ्रांसिस टियाफो से 6-4, 7-6 (3), 2-6, 6-3 से हारकर बाहर हो गए। टियाफो का अगला मुकाबला ग्रिगोर दिमित्रोव से होगा जिन्होंने एंड्री रुबलेव को 6-3, 7-6 (3), 1-6, 3-6, 6-3 से हराया। टेलर फ्रिट्ज भी आगे बढ़ने में सफल रहे। उन्होंने तीन बार के ग्रैंड स्लैम फाइनलिस्ट कैस्पर रूड को 3-6, 6-4, 6-3, 6-2 से हराया।

फ्रिट्ज के क्वार्टरफाइनल में प्रतिद्वंद्वी अलेक्जेंडर ज्वेरेव होंगे, जिन्होंने ब्रैंडन नकाशिमा को 3-6, 6-1, 6-2, 6-2 से पराजित किया। महिला वर्ग में नवारो का अगला मुकाबला पाउला बडोसा से होगा, जिन्होंने वांग याफान के खिलाफ 6-1, 6-2 से जीत दर्ज की। दूसरी वरीयता प्राप्त आर्यना सबालेंका भी क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई हैं। उन्होंने एलिस मर्टेंस को 6-2, 6-4 से हराया।

सुमित नागल स्वीडन के खिलाफ डेविस कप मुकाबले से हटे

नई दिल्ली । भारत के शीर्ष एकल खिलाड़ी सुमित नागल पीठ की चोट के कारण स्वीडन के खिलाफ आगामी डेविस कप मुकाबले से सोमवार को हट गए। नागल हाल ही में अमेरिकी ओपन में अपने पहले दौर के एकल मुकाबले में टालोन ग्रिक्सपुर से हार गए थे। भारत और स्वीडन के बीच स्टॉकहोम में इनडोर हार्ड-कोर्ट प्रतियोगिता 14-15 सितंबर को खेली जाएगी। नागल ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'मैं स्वीडन के खिलाफ आगामी डेविस कप मुकाबले में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए वास्तव में उत्सुक था।' उन्होंने कहा, 'मुझे हालांकि पीठ में दर्द की समस्या पिछले कुछ सप्ताह से परेशान कर रही है। डॉक्टरों ने मुझे अगले दो सप्ताह तक आराम करने की सलाह दी है, जिससे मेरे पास तैयारी करने और स्वीडन में प्रतिस्पर्धा करने के लिए पर्याप्त समय नहीं है।' उन्होंने कहा, 'मैंने इसी समस्या के कारण अमेरिकी ओपन में युगल मुकाबलों से अपना नाम वापस ले लिया था। मैं डेविस कप मुकाबले से चूकने को लेकर बहुत निराश हूं, लेकिन पीठ की स्थिति को और खराब होने से बचाने के लिए मुझे अपने शरीर के मुताबिक काम करना होगा ताकि मैं सीजन को मजबूत और स्वस्थ तरीके से समाप्त कर सकूं। भारतीय टीम को शुभकामनाएं। मैं घर से आप सभी की हौसला अफजाई करुंगा।' नागल जुलाई में अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग 68 पर पहुंच गए थे लेकिन नवीनतम रैंकिंग में गिरकर 82 पर आ गए हैं। भारत के सर्वोच्च रैंकिंग वाले एकल खिलाड़ी का डेविस कप मुकाबले का हिस्सा नहीं होना टीम के लिए बड़ा झटका है। पूर्व राष्ट्रीय चैंपियन आशुतोष सिंह को राष्ट्रीय टीम का नया कोच नियुक्त किया गया है।

धोनी ने विराट को सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक बताया

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने बल्लेबाज विराट कोहली की जमकर प्रशंसा करते हुए उन्हे विश्व क्रिकेट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक बताया है। धोनी की कप्तानी में विराट ने लंबे समय तक खेला था और उनके संन्यास के बाद कप्तानी भी बने थे। विराट 35 साल की उम्र में भी अपने जबरदस्त प्रदर्शन और फिटनेस के कारण विश्व स्तर पर छाये हुए हैं।

हाल ही में एक कार्यक्रम में धोनी ने विराट की जमकर प्रशंस की। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर आया है। इसमें धोनी ने हंसते हुए कहा, हम 2008 या 09 से खेल रहे हैं जबकि दोनो की उम्र में अंतर है। इसलिए मुझे नहीं पता कि मैं खुद को बड़ा भाई या सहकर्मी या जो भी नाम दूं, कहूं।

उन्होंने कहा, पर आखिरकार, हम सहकर्मी रहे हैं, आप जानते हैं जिन्होंने बहुत लंबे समय तक भारत के लिए खेला है। जब विश्व क्रिकेट की बात आती है तो वह सर्वश्रेष्ठ में से एक हैं। विराट अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से आकल दूर हैं, की टी20 विश्व कप जीत के बाद कोहली श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में शामिल हुए थे। वह वर्तमान में लंदन में हैं, परिवार के साथ समय बिता रहे हैं और उनके बांग्लादेश के खिलाफ घरेलू टेस्ट में खेलते हुए दिखने की संभावना है। वहीं गत वर्ष

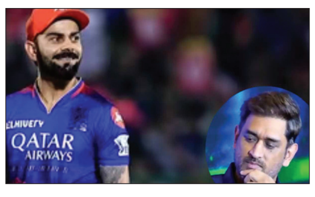

सीएसके की कप्तानी छोड़ने वाले धोनी के भी आईपीएल 2025 के सत्र में खेलने की संभावनाएं जतायी जा रही हैं।

योगेश कथुनिया ने डिस्कस थ्रो एफ-56 स्पर्धा में लगातार दूसरी बार जीता सिल्वर मेडल

पेरिस । भारत के योगेश कथुनिया ने सोमवार को यहां चल रहे खेलों में पुरुषों की डिस्कस थ्रो एफ-56 स्पर्धा में सीजन का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए अपना लगातार दूसरा पैरालंपिक रजत पदक जीता। 29 वर्षीय ने अपने पहले ही प्रयास में 42.22 मीटर तक डिस्कस फेंका, जो उन्होंने तीन साल पहले टोक्यो पैरालिंपिक में जीते रजत में शामिल है। ब्राजील के क्लॉडनी बतिस्ता डॉस सैंटोस ने अपने पांचवें प्रयास में 46.86 मीटर के प्रयास के साथ नया खेलों का रिकॉर्ड बनाते हुए पैरालंपिक स्वर्ण पदकों की हैट्रिक दर्ज की। ग्रीस के कोंस्टेंटिनोस त्ज़ोनिस ने 41.32 मीटर के साथ कांस्य पदक जीता। एफ-56 दिव्यांग एथलीटों के लिए एक सीटिंग फील्ड इवेंट वर्ग है। इस वर्गीकरण में अंग विच्छेदन और रीढ़ की हड्डी की चोट वाले लोग भाग लेते हैं।

साइना नेहवाल इस गंभीर बीमारी से पीड़ित, संन्यास लेने पर कर रही विचार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की दिग्गज शटलर और पूर्व ओलंपिक कांस्य पदक विजेता साइना नेहवाल ने खुलासा किया है कि वह गठिया की समस्या से जूझ रही हैं और इस साल के अंत तक उन्हें बैडमिंटन में अपने भविष्य के बारे में फैसला करना होगा, क्योंकि इस बीमारी के कारण उनके लिए सामान्य घंटों तक प्रशिक्षण लेना असंभव हो गया है। 34 वर्षीय पूर्व विश्व नंबर 1 खिलाड़ी, जो लंदन 2012 में कांस्य पदक के साथ ओलंपिक पदक जीतने वाली पहली भारतीय शटलर थीं, ने चोटों से परेशान होने से पहले खेलों के तीन संस्करणों में भाग लिया था।

2010 और 2018 राष्ट्रमंडल खेलों की स्वर्ण पदक विजेता ने कहा कि वह अब इस तथ्य को नजरअंदाज नहीं कर सकतीं कि उनका करियर अपने अंतिम चरण में है। नेहवाल ने हाल ही में पेरिस ओलंपिक में भारत के शेफ-डी-मिशन रहे निशानेबाज़ गगन नारंग द्वारा होस्ट किए गए 'हाउस ऑफ ग्लोरी' पॉडकास्ट पर कहा, 'घुटना बहुत अच्छा नहीं है। मुझे गठिया है। मेरी कार्टिलेज बहुत खराब स्थिति में है। 8-9 घंटे तक जोर लगाना बहुत मुश्किल है। आप ऐसी स्थिति में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को कैसे चुनौती देंगे? मुझे लगता है कि मुझे कहीं न कहीं इसे स्वीकार करना ही होगा। क्योंकि दो घंटे की ट्रेनिंग उच्चतम स्तर के खिलाड़ियों के साथ खेलने और वांछित परिणाम प्राप्त करने के लिए पर्याप्त नहीं है।'

नेहवाल ने कहा कि वह अभी भी इस बात पर विचार कर रही हैं कि रिटायरमेंट का उन पर क्या प्रभाव पड़ेगा, लेकिन उन्होंने स्वीकार किया कि उन्हें अंततः निर्णय लेना ही होगा। अग्रणी स्टार, जो अब भाजपा की सदस्य भी हैं, को आखिरी बार एक साल से अधिक समय पहले सिंगापुर ओपन में एक्शन में देखा गया था, जहां वह शुरुआती दौर में हार गई थीं। उन्होंने कहा, 'मैं इसके (संन्यास) बारे में भी सोच रही हूं। यह दुखद होगा क्योंकि यह एक सामान्य व्यक्ति द्वारा की जाने वाली नौकरी की तरह है। जाहिर है, एक खिलाड़ी का करियर हमेशा छोटा होता है। मैंने 9 साल की उम्र में शुरुआत की थी। अगले साल मैं 35 साल की हो जाऊंगी।'

नेहवाल ने कहा, 'मेरा करियर भी लंबा रहा है और मुझे इस पर बहुत गर्व है। मैंने अपने शरीर को काफी हद तक तोड़ दिया है। मैंने जो किया है और जो कुछ भी दिया है, उससे मैं खुश हूं। (मैं) इस साल के अंत तक आकलन करूंगी कि मैं कैसा महसूस कर रही हूं।' पद्म श्री पुरस्कार विजेता ने कहा कि ओलंपिक में भाग लेना उनका बचपन का सपना था और लगातार दो संस्करणों में पदक से चूकना दुखद है। उन्होंने कहा, 'ओलंपिक में भाग लेना सभी के लिए बचपन का सपना होता है। आप उस स्तर तक पहुंचने के लिए सालों तक तैयारी करते हैं। इसलिए, कई बार जब आपको लगता है कि आप इसे हासिल नहीं कर पाएंगे तो यह बहुत दुख देता है। क्योंकि ऐसा नहीं है कि आप खेलना नहीं चाहते हैं, लेकिन आपका शरीर बता रहा है कि आप अच्छा नहीं कर रहे हैं और आपको चोटें लगी हैं।'

फुहारों के बीच खिली-खिली दिखें आप

चुभती-झुलसा देने वाली गर्मी के दिन खत्म। अब आया मस्त मानसून का मौसम। जितनी बेसब्री से हमें फहारों के आने का इंतजार रहता है, उतनी ही दिक्कतें भी सामने आती हैं। कभी चेहरे का मेकअप पैची होने लगता है तो कभी बाल चिपचिपे हो जाते हैं। कभी कपड़े बदन से चिपक कर एक समस्या बन जाते हैं। समस्या होती है तो उसका समाधान भी होता है। बारिश के मौसम में आने वाली समस्याओं का निदान आइए जानते हैं

मानसून में महिलाओं के लिए घर से बाहर निकलना काफी कठिन हो जाता है। बारिश में जाने के लिए जी तो मचलता है, लेकिन कभी मेकअप बिगड़ जाने का डर, कभी बाल बिगड़ जाने का डर और कभी त्वचा की सुरक्षा उन्हें बाहर निकलने से रोकती है, पर बारिश में घर भी तो नहीं बैठा जा सकता। थोड़ी सी सावधानियों से आप बारिश का मजा भी ले सकती हैं और सजने-संवरने के अपने शौक को भी पूरा कर सकती हैं।

- इस मौसम में सिबेशियस व स्वेट ग्लैंड ज्यादा एक्टिव हो जाते हैं, जिससे त्वचा चिपचिपी व ज्यादा पसीने व डैंड्रफ से युक्त हो जाती है। इसलिए प्रतिदिन माइल्ड शैंपू से बाल धोएं। हर धुलाई के बाद अच्छी क्वालिटी के कंडीशनर का प्रयोग करें। बाल झड़ेंगे नहीं। बाल उलझे, रूखे व बेजान नहीं होंगे।
- इस मौसम में बारिश में भीगे गीले बालों में अक्सर जुएं पड़ जाती हैं। बारिश में भीगे गीले बालों को भी शैंपू अवश्य करें। सिर में खुजलाहट होने पर नाखून से कुरेदें नहीं। त्वचा पर इन्फेक्शन होने का खतरा रहता है। कई बार दो-तीन दिन बाल न धोने पर बारिश में भीगे होने के कारण सिर में छोटे-छोटे दाने भी हो जाते हैं।
- यदि किसी वजह से सिर न धो रहे हों तो सूखे सिर में कोई भी टेलकम पाउडर डाल कर कंघी कर लें। डस्ट निकल जाएगी, पसीना नहीं आएगा। बारिश के मौसम में 1-2 घंटों के लिए सिर पर दही लगाएं। इसके अलावा मूंग की दाल को दरदरा पीस कर सिर में लगाएं, अच्छी कंडीशनिंग हो जाएगी। बालों में अच्छी शाइन आ जाएगी।
- एलोवेरा का जूस निकाल कर इसका पल्प भी कुछ देर सिर में एक-डेढ़ घंटा लगा कर फिर शैंपू कर लें। जर्म्स, दाने व डैंड्रफ खत्म हो जाएगी। यदि इन्फेक्शन ज्यादा हो तो तुरंत डॉक्टर को दिखाएं। बाल धोने के बाद तौलिए से अच्छी तरह सुखा कर चौड़े दांत की कंघी से बाल सुलझाएं। बारिश में भीगने के बाद बाल हमेशा खुले रखें।

- इस मौसम में यदि सिर में तेल लगाएं तो दो-तीन घंटे बाद ही सिर धो लें। ज्यादा देर तेल लगा रहेगा तो वह फेस पर आ जाएगा। बारिश के मौसम में हेयर जेल, मूस, हेयर स्प्रे का इस्तेमाल न करें। उमस के कारण सिर में पसीना अधिक आता है, इसलिए बालों में स्टाइल बनाने से पहले ह्यूमिडिटी प्रोटेक्टिव जेल लगाएं।
- इस मौसम में स्ट्रेट बालों को कर्ल करने व कर्ल बालों को स्ट्रेट करने से बचें। कर्ल बालों में स्टाइलिंग क्रीम या जेल लगा कर सेट कर लें व स्ट्रेट बालों की ढीली पोनीटेल बना लें। ध्यान रखें कि क्रीम व जेल एल्कोहल बेस्ड हो, जो बालों को चिपचिपा होने से बचाए।
- इस मौसम में वातावरण में ही नमी होने के कारण ब्लो ड्राई, रोलर सैटिंग आदि टिक नहीं पाते, इसलिए इनसे बचना चाहिए। ऐसे में लोअर बन व पोनीटेल अच्छी रहेंगी। गर्दन तक का कट इस मौसम में हमेशा चींटियां काटने का एहसास कराता है, ऐसा कट न रखें। इस मौसम के लिए विशेषतौर से मेंटेनेंस फ्री कट होना चाहिए। फ्रंट में फ्रींजिस दे सकते हैं।

मेकअप टिप्स

- सावन की बरसती बूंदें मन को अवश्य खुशी देती हैं, पर ये बूंदें ही चिपचिपे, उलझे बाल, तैलीय त्वचा व तन के श्रृंगार को तहस-नहस कर देती हैं। घर से बाहर जाने से बीस-पच्चीस मिनट पहले सनस्क्रीन लोशन लगा लें।
- इस मौसम में जरूरत से ज्यादा मेकअप बेस लगाने से बचें। अगर लगाएं तो सिलिकोन बेस या वॉटर प्रूफ फाउंडेशन की पतली परत लगाएं। पानी की बूंदें पड़ते ही पानी व पसीना बहकर निकल जाएगा। मेकअप वैसे का वैसा रहेगा। पाउडर बेस पर बूंदें पड़ते ही मेकअप पैची हो जाएगा।
- बारिश के मौसम में मेकअप हल्का ही करें। मेकअप बेस अपनी त्वचा से एक टोन गहरा लें। एक बात का हमेशा ध्यान रखें कि हेयर लाइन के पास पसीना ज्यादा आता है, इसलिए इस हिस्से पर फाउंडेशन कम से कम लगाएं।
- बारिश में आंखों का मेकअप ज्यादा खराब हो जाता है। इस मौसम के लिए काजल, आई लाइनर, मस्कारा आदि वॉटर प्रूफ ही लें। इस मौसम में विशेषतौर से ट्रांसपेरेंट मस्कारा व कलर्ड काजल पेंसिल का इस्तेमाल कर सकते हैं।
- आई शैडो व ब्लश ऑन लगाना हो तो कभी भी पाउडर बेस न लगा कर मौसम को ध्यान में रखकर क्रीम बेस्ड ही लगाएं। इसके लिए लिपस्टिक को भी इस्तेमाल में लाया जा सकता है। पर ध्यान दें त्वचा पर अच्छी तरह फैल जाए।
- बारिश के मौसम में लिपग्लॉस का प्रयोग बिल्कुल नहीं करना चाहिए, यह हर फुहार की बूंद के साथ होठों के इर्द-गिर्द फैलता है। लिपस्टिक भी गॉढ़ी न लगाकर हल्की ही लगाएं। पूरा मेकअप हो जाने के बाद मेकअप फिक्सिंग स्प्रे लगा लें। इससे मेकअप सेट हो जाता है। बिंदी स्टिक ऑन ही इस्तेमाल करें।

- इस मौसम में चिपचिपी त्वचा से छुटकारा पाने के लिए चंदन पाउडर में गुलाब जल मिला कर चेहरे, गर्दन व बांहों पर लगाएं। थोड़े से जीरा पाउडर में नारियल का तेल मिला कर इसे गर्दन व आसपास के हिस्सों पर लगाएं।
- चिकनी त्वचा वाले लोग शहद व नींबू का रस बराबर भाग में मिला कर लगा सकते हैं। यदि आप चाहें तो इसमें अंडे की सफेदी भी मिला लें। एक घंटा त्वचा पर लगा रहने दें फिर ठंडे पानी से धो दें। इसके अलावा कच्चे दूध में बेसन मिला कर भी इस्तेमाल कर सकते हैं।
- शुष्क त्वचा वाले लोग एक बड़ा चम्मच दूध की क्रीम में गुलाब जामुन मिला कर लगाएं व पंद्रह मिनट बाद त्वचा धो लें। त्वचा को साफ करने के लिए पपीते के छोटे टुकड़े करें, इनसे त्वचा को साफ करें। पपीते का रस व गूदा पांच-सात मिनट तक त्वचा पर लगा रहने दें, फिर त्वचा धो लें।

स्किन केयर टिप्स

- इस मौसम में रात को त्वचा की टोनिंग करना चाहिए। इसके लिए एक छोटा चम्मच दूध में पांच बूंदें चमेली के तेल की मिलाएं। इस तैयार मिश्रण को चेहरे व गर्दन पर लगाएं। बारिश के मौसम में भी सनस्क्रीन लोशन लगाना बंद नहीं करना चाहिए।
- इन दिनों फंगस इन्फेक्शन सबसे ज्यादा हो जाता है। गीले कपड़े व गीले जूते देर तक न पहने रहें। एंटी फंगस साबुन से त्वचा को साफ करें। शरीर के जोड़ों, पांवों की उंगलियों आदि में साधारण या एंटी फंगस पाउडर का इस्तेमाल करते रहें।
- बारिश के मौसम में बेजान हो जाने वाली त्वचा में नई जान डालने के लिए शहद व दही बराबर मात्र में मिला कर अच्छी तरह से चेहरे व गर्दन पर लगाएं। पंद्रह मिनट बाद त्वचा धो लें।

विंड चाइम से बढ़े घर की रौनक

विंड चाइम, इसे पवन घंटियां भी कहा जाता है। इसके प्रयोग से सकारात्मक ऊर्जा में वृद्धि होती है। विंड चाइम धातु, लकड़ी, बांस या सिरेमिक पाइप से बनी होती है। ये पाइप अंदर से बांसुरी की तरह खाली होते हैं। इन पाइपों को रेशमी धागों से बांधा जाता है। लकड़ी और बांस से बनी विंड चाइम पूर्व तथा दक्षिण-पूर्व दिशा में लगानी चाहिए। इससे घर में ऊर्जा का प्रवाह बढ़ने के साथ-साथ नाम व यश भी बढ़ता है। छह रॉड वाली गोल्डन व येलो कलर की विंड चाइम उत्तर-पश्चिम दिशा में लगाने से यश एवं समृद्धि में वृद्धि होती है। नौकरी एवं व्यवसाय में तरक्की के अवसर मिलते हैं। सात रॉड वाली सिल्वर व सफेद
रंग वाली विंड चाइम घर में पश्चिम दिशा में लगाने से परिवार के सदस्यों तथा ऑफिस में लगाने से सहकर्मियों और नौकरों से संबंध अच्छे बने रहते हैं।
जिन लोगों की जन्मतिथि में धातु तत्व की कमी हो, उन्हें मेटल की विंड चाइम और पृथ्वी तत्व की कमी होने पर सिरेमिक विंड चाइम का प्रयोग करना चाहिए। एल्यूमिनियम, लोहे व पीतल के पाइप वाली विंड चाइम का प्रयोग हानिकारक होता है। इन पर पाउडर कोटिंग की जाती है, लेकिन इनकी आवाज कर्कश होती है।

क्रिस्टल बॉल

यह घर में नकारात्मक ऊर्जा के प्रभाव को समाप्त कर सकारात्मक ऊर्जा की वृद्धि करती है। घर में किसी भी प्रकार का वास्तु दोष होने पर पूर्व दिशा में 9 क्रिस्टल बॉल्स का गुच्छा लगाने से काफी हद तक वास्तु दोष से मुक्ति पाई जा सकती है। घर की पश्चिम दिशा में क्रिस्टल बॉल इस प्रकार लगाएं कि सूर्य की किरणें उस पर पड़ें। इससे घर के बुजुर्गों और महिलाओं में दिनभर ऊर्जा बनी रहती है। घर के निराशाजनक वातावरण को दूर कर सुख-शांति और धन की वृद्धि करने में भी यह सहायक है। घर की दक्षिण-पश्चिम दिशा में डायमंड कट वाली क्रिस्टल बॉल, जहां पिता-पुत्र संबंधों में मधुरता लाती है, वहीं जीवन में प्रेम का संचार भी करती है।

सिक्के और घंटियां

फेंगशुई सिक्के ऊपर से गोल और अंदर से वर्गाकार छेद लिए होते हैं। घर में सौभाग्य और समृद्धि लाने के लिए इन सिक्कों का प्रयोग किया जाता है। इसके लिए तीन फेंगशुई सिक्कों को लाल रंग के रिबन या रेशमी धागे से एक साथ बांधकर पर्स या दुकान के गल्ले में रखा जाता है। इसके अलावा इन सिक्कों को केवल मुख्य द्वार पर अंदर की तरफ और तिजोरी के दरवाजे पर भी बांधा जा सकता है। इन सिक्कों के साथ-साथ छोटी घंटियों को भी बांधा जा सकता है। लाल रिबन से बंधी ये घंटियां सौभाग्य का प्रतीक होती हैं। इन घंटियों से किसी प्रकार की ध्वनि नहीं होती। पुरानी हो जाने पर इन घंटियों को बदल देना चाहिए।

नरम बूंदों के साथ गरम पकौड़ी

मौसम बारिश का हो और पकौड़ी का स्वाद न लिया जाए, यह कैसे हो सकता है। इस मौसम में सबका मन गरमा-गरम पकौड़ी खाने को करता है। तो आइए जानते हैं कैसे बनाएं पकौड़ी।

भुट्टा-पालक पकौड़ी

सामग्री

5 भुट्टे नरम दाने वाले, 100 ग्राम पालक कटा हुआ, 4-5 हरी मिर्च, एक टुकड़ा अदरक, 4-5 लहसुन की कली, आधा चम्मच जीरा, हरा धनिया बारीक कटा हुआ, एक बड़ा चम्मच बेसन, नमक स्वादानुसार, आधा चम्मच लाल मिर्च, एवं तलने के लिए तेल

बनाने की विधि

सबसे पहले भुट्टों को साफ करके कद्दूकस करें। भुट्टे, पालक, हरी मिर्च, अदरक एवं लहसुन को थोड़ा मोटा ही पीस लें। अब सभी मसालों को बेसन में मिलाकर अच्छी तरह से खोल लें। पीसे हुए भुट्टे व पालक को बेसन में लपेटकर तेल में तलें। तलने के बाद इसे चटनी के साथ सर्व करें।

कच्चे केले के पकौड़े

सामग्री

6 कच्चे केले, 200 ग्राम बेसन, आधा चम्मच गरम मसाला, नमक स्वादानुसार, एक चौथाई चम्मच हल्दी, एक कद्दूकस किया प्याज, 3-4 बारीक कटी हरी मिर्च, तलने के तेल

बनाने की विधि

केलों को उबालकर छीलें व हाथ से अच्छी तरह मेश कर लें। बेसन को सूखा ही भून लें। भुने बेसन में मेश किया केला, कटी सामग्री व मसाले खूब अच्छी तरह मिक्स कर लें। आवश्यकता हो तो इसमें थोड़ा-सा दूध मिला लें। अब एक कड़ाई में तेल गर्म कर लें। कम आंच पर उलट-पलट कर गुलाबी होने तक तलें। केले के इन पकौड़ों को गरमा-गरम चाय के साथ पेश करिए या किसी खट्ठी-मीठी चटनी के साथ इसका स्वाद दुगुना हो जाएगा।

पालक रोल पकौड़ी

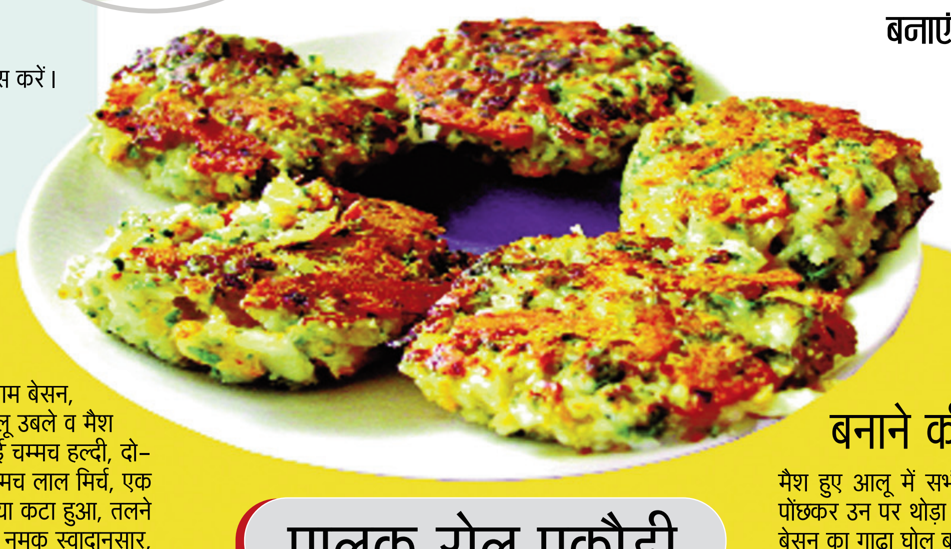

सामग्री

पालक के 15 पत्ते, 200 ग्राम बेसन, 2 चम्मच चावल का आटा, 2 आलू उबले व मैश किए हुए, एक चम्मच धनिया, चौथाई चम्मच हल्दी, दो-तीन हरी मिर्च बारीक कटी, एक चम्मच लाल मिर्च, एक चम्मच अदरक बारीक कटा हुआ, हरा धनिया कटा हुआ, तलने के लिए तेल, नमक स्वादानुसार,

बनाने की विधि

मैश हुए आलू में सभी मसाले मिलाएं। हर पत्ते को अच्छी तरह पोंछकर उन पर थोड़ा सा आलू का मिक्सचर रखें और रोल कर लें। बेसन का गाढ़ा घोल बनाकर उसमें चावल का आटा मिला दें। हर रोल को उसमें डुबोकर फ्राई करें।

मशरूम के पकौड़े

सामग्री

200 ग्राम मशरूम, 200 ग्राम बेसन, बारीक कटा हुआ हरा धनिया, नमक स्वादानुसार कटा हुआ मिर्च- तीन, तलने के तेल

बनाने की विधि

मशरूम को साफ करके धो लें। इनको कुछ देर स्टीम देकर मुलायम कर लें। बेसन में नमक-मिर्च व पानी डालकर पकौड़ों के हिसाब से घोल तैयार कर लें। इसी में हरा धनिया भी डाल दें। मशरूम को आधे-आधे काटकर बेसन लपेटकर गर्म तेल में तलें। आपके लिए गर्मागर्म मशरूम के पकौड़े तैयार हो गए।

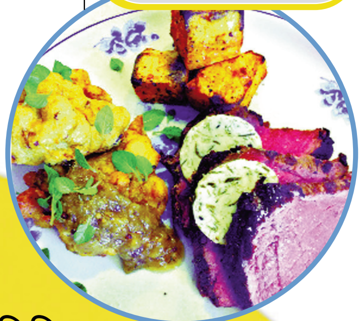

क्रिस्पी बैंगन पकौड़े

सामग्री

एक भुर्ते वाला बड़ा बैंगन, 4-5 खड़ी लाल मिर्च
2-3 कली लहसुन, 1 कप बेसन
आधा कप चावल का आटा, नमक स्वादानुसार
1 चम्मच नींबू का रस, एक चौथाई चम्मच हल्दीएक
चौथाई चम्मच अजवाइन, 1 चुटकी हींग
तलने के लिए तेल।

बनाने की विधि

बैंगन को धोकर पतली गोल-गोल स्लाइस काट लें। लाल मिर्च, लहसुन, नमक, नींबू रस एवं थोड़ा पानी मिलाकर पेस्ट बना लें। बेसन में चावल का आटा, हींग, नमक, अजवाइन एवं थोड़ा पानी मिलाकर पकौड़े का घोल तैयार करें। एक कड़ाही में तेल गर्म करें। बैंगन की एक स्लाइस लेकर इस पर लाल मिर्च का पेस्ट चुपड़े। ऊपर से दूसरी स्लाइस रखें। इसे बेसन के घोल में डुबोकर गर्म तेल में सुनहरा भूरा होने तक तलें। गर्मागर्म क्रिस्पी बैंगन पकौड़ों को सॉस और हरी चटनी के साथ परोसें। इसका स्वाद लाजवाब लगेगा।

संक्षिप्त समाचार

किराएदारों की शिकायतों पर ब्रिटेन के सिख सांसद ने जताया खेद

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन में सत्तारूढ़ लेबर पार्टी से नवनिर्वाचित ब्रिटिश सिख सांसद जस अठवाल ने एक मकान मालिक के रूप में अपने रिकॉर्ड का बचाव किया और खेद जताया है। उनके स्वामित्व वाली संपत्तियों में उनके किरायेदारों की खराब रहने की स्थिति के बारे में अज्ञात शिकायतें की गई हैं। अठवाल ने कहा, फफूंदी और चींटियों के संक्रमण की रिपोर्ट के बाद निवासियों की समस्याओं के बारे में सुनकर उन्हें हैरानी और गहरा खेद हुआ। अपने 15 किराए के फ्लैटों के बारे में उन्होंने वादा किया कि उनकी मरम्मत और रखरखाव की कार्रवाई तत्काल की जाएगी।

ब्रिक्स देशों ने जलवायु और सतत विकास सहयोग ढांचा अपनाया

मास्को, एजेंसी। रूसी आर्थिक विकास मंत्रालय ने कहा है कि ब्रिक्स देशों ने जलवायु व सतत विकास पर एक रूपरेखा दस्तावेज अपनाया है। दस्तावेज में इस दिशा में साझा कार्यों के उचित परिवर्तन, शमन, अनुकूलन, कार्बन बाजार जैसे मुख्य पहलू शामिल हैं। यह दस्तावेज मॉस्को में मॉडर्न कंडीशंस फोरम में दो दिनी ब्रिक्स जलवायु एजेंडा कार्यक्रम के बाद अपनाया गया। ब्रिक्स के सदस्य देश ब्राजील, रूस, भारत और चीन हैं। रूसी आर्थिक विकास मंत्री मैक्सिम रेशेतनिकोव ने कहा, सभी ब्रिक्स देश विकसित देशों द्वारा एकतरफा हरित संरक्षणवादी उपायों का इस्तेमाल रोकने की जरूरतों को समझते हैं, क्योंकि ये उपाय विकासशील देशों की अर्थव्यवस्था व आपूर्ति श्रृंखलाओं पर नकारात्मक प्रभाव छोड़ते हैं। ब्रिक्स संपर्क समूह के भीतर विकसित दूसरा दस्तावेज, ब्रिक्स कार्बन बाजार साझेदारी पर एक समझौता ज्ञापन है।

लंदन में ब्रिटिश साम्राज्य का इतिहास बताने के लिए नाटक का आयोजन

लंदन , एजेंसी। भारतीय मूल के नाटककार डॉ. अनु कुमार लाजर ने ईस्ट इंडिया कंपनी और ब्रिटिश साम्राज्य की कहानी बताने के लिए पूर्व राजनयिक के साथ हाथ मिलाकर लंदन शहर को अपने मंच के रूप में चुना है। उन्होंने लिसा होनान के साथ 'ए लंदन लार्क राइजिंग' नामक एक नाटकीय वॉकिंग टूर जीवंत किया, जो ब्रिटेन में सैकड़ों वर्षों का इतिहास दर्शाते हुए कई प्रसिद्ध ऐतिहासिक चरित्रों को प्रदर्शित कर रहा है। पैदल नाटक सैकड़ों वर्षों के इतिहास को समेटे हुए है, जो दर्शकों को लंदन की प्राचीन विरासत के बारे में बताता है।

दक्षिण कोरिया में लंपी वायरस की दस्तक, इस साल दूसरा मामला आया सामने, 4 गायें संक्रमित

सोल, एजेंसी। दक्षिण कोरिया में लंपी वायरस का एक और मामला सामने आया है। कृषि मंत्रालय ने कहा कि एलएसडी के दूसरे मामले की पुष्टि शनिवार को ग्योंगगी के इचोन में एक मवेशी फार्म में हुई है। योनहाप समाचार एजेंसी ने मंत्रालय के हवाले से बताया कि मवेशी फार्म के मालिक ने रिपोर्ट सौंपी थी। अधिकारियों ने उनकी जांच की तो चार डेयरी गायों के लंपी बीमारी से संक्रमित होने की पुष्टि हुई। दक्षिण कोरिया में इस साल एलएसडी के पहले मामले की पुष्टि 12 अगस्त को हुई थी। सोल से लगभग 65 किमी दक्षिण में अनसेओंग में एक मवेशी फार्म में संक्रमण पाया गया था। मंत्रालय ने कहा कि आगे संक्रमण को रोकने के लिए, प्रभावित फार्म को प्रतिबंधित कर दिया है। साथ ही संक्रमित मवेशियों को क्वारंटीन करने की व्यवस्था कर दी गई है। गाइडलाइन के अनुसार संक्रमित गायों को खत्म कर दिया जाएगा। एलएसडी एक संक्रामक बीमारी है। इससे त्वचा पर घाव, बुखार और भूख न लगने की समस्या उत्पन्न होती है। इससे दुग्ध उत्पादन पर असर पड़ता है और आगे चलकर मवेशियों की मृत्यु भी हो जाती है। यह मच्छरों और अन्य खून पीने वाले कीड़ों के जरिए मवेशियों में फैलता है।

अमेरिका के मिसीसिपी में बस हादसा ; 7 लोगों की मौत, 37 अन्य घायल

मिसिसिपी, एजेंसी। अमेरिका के मिसिसिपी में शनिवार सुबह अंतरराज्यीय मार्ग– 20 पर एक बस के पलट जाने से सात लोगों की मौत हो गई, जबकि 37 अन्य घायल हुए हैं। 'मिसीसिपी हाईवे पेट्रोल ने यह जानकारी दी। एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, छह यात्रियों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई जबकि एक अन्य की अस्पताल में मौत हुई। बस वॉरेन काउंटी में बोविना के पास राजमार्ग से फिसलकर पलट गई। राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स पर जारी पोस्ट में बताया कि दुर्घटना टायर फटने की वजह से हुई। वॉरेन काउंटी के कोरोनर डग हस्की ने बताया कि मृतकों में छह वर्षीय एक लड़का और उसकी 16 वर्षीय बहन शामिल हैं। दोनों की पहचान उनकी मां ने की। उन्होंने बताया कि अधिकारी अन्य मृतकों की पहचान करने की कोशिश कर रहे हैं। विज्ञप्ति के मुताबिक, 37 यात्रियों को विक्सबर्ग और जैक्सन के अस्पतालों में ले जाया गया।

तलाकशुदा राजकुमारी ने 3 साल छोटे तांत्रिक से रचाई शादी, कोरोना भगाने को बेच चुका ताबीज

ओस्लो , एजेंसी। नॉर्वे की तलाकशुदा राजकुमारी मार्था लुईस ने अमेरिकी स्वघोषित जादूगर ड्यूरेक वेरेट से शादी कर ली है। दोनों ने शनिवार को एक निजी कार्यक्रम में शादी रचाई। दोनों 2019 से एक-दूसरे को डेट कर रहे थे और 2022 में उन्होंने सगाई की थी। मार्था की पहले पति से तीन बेटियां हैं। उनका तलाक 2017 में हो गया था। मार्था ने जिस तांत्रिक से शादी की है, नॉर्वे में उन्हें मीडिया महाठग कहती है। कोरोना काल में लोगों को बचने के लिए ताबीज बांट चुके वेरेट को चोरी के मामलों में कई बार गिरफ्तार किया जा चुका है। वह एक बार बस पर बिना टिकट सफर करते हुए भी पकड़े गए थे।

52 वर्षीय तलाकशुदा मार्था लुईस और कैलिफोर्निया के 49 वर्षीय वेरेट ने शनिवार को नॉर्वे के एक छोटे से गांव में शादी की। शादी में कुछ ही लोग शामिल हुए। शादी नॉर्वे के पश्चिमी तट पर फिओर्ड के किनारे बसे गांव गीरांगर की पहाड़ियों में एक होटल में हुई। नॉर्वेजियन प्रेस द्वारा ली गई तस्वीरों के अनुसार, मार्था लुईस ने एक पारंपरिक सफेद शादी की पोशाक और एक मुकुट पहना था, जो उसे उसके दादा राजा ओलाव ने उसके 18वें जन्मदिन पर दिया था। वहीं, ड्यूरेक ने काले रंग का सूट और सुनहरे रंग का कमरबंद पहना था।

फरिश्तों से बात करने का स्कूल चलाती हैं लुईस : लुईस दावा कर चुकी हैं कि वह एक दिव्यदर्शी हैं, जो फरिश्तों से बात कर सकती हैं। उनका कहना है कि यह एक ऐसा उपहार है जिसे उन्होंने पुस्तकों का अध्ययन करने के बाद प्राप्त किया। इसके लिए उन्होंने 2007 में एक स्कूल भी खोला। इसमें वो दावा करती हैं कि स्कूल में जादू करना और देवताओं से बात करना सिखाया जाता है। वहीं, कैलिफोर्निया निवासी 49 वर्षीय वेरेट स्वयं को छठी पीढ़ी का जादूगर कहते हैं। वेरेट ने कोरोना काल में लोगों को जान बचाने के लिए ताबीज भी बांटे थे।

वेरेट का दावा– लुईस पिछले जन्म में भी मेरी पत्नी : जून 2022 में इस जोड़े द्वारा अपनी सगाई की घोषणा की थी, तब मार्था लुईस ने इंस्टाग्राम पर कहा था, मैं बहुत आध्यात्मिक हूं और ऐसे ही व्यक्ति के साथ रहना अच्छा है जो इसे अपनाता है। वेरेट के अनुयायियों में हॉलीवुड की मशहूर हस्तियां ग्वेनेथ पाल्ट्रो और एंटोनियो बैंडेरस शामिल हैं। वेरेट का दावा है कि वे पिछले जन्म में भी मार्था लुईस के पति थे।

मार्था लुईस की पहली शादी : मार्था लुईस की पहली शादी नॉर्वेजियन लेखक एरी बेहन से हुई थी, जिससे उनकी तीन बेटियां हैं। एरी बेहन ने 2016 में तलाक के तीन साल बाद आत्महत्या कर ली थी। वह नॉर्वे के सिंहासन की उत्तराधिकारिणी में चौथे स्थान पर हैं। उनके छोटे भाई क्राउन प्रिंस हाकोन एक दिन राजा हेराल्ड का उत्तराधिकारी बनेंगे। मार्था लुईस ने नवंबर 2022 में अपने शाही कर्तव्यों को त्याग दिया था। हालांकि उन्होंने अपना खिताब बरकरार रखा।

कोरोना से बचने को ताबीज भी बेचते हैं वेरेट : मार्था लुईस पर नॉर्वे की मीडिया डायन-चुड़ैलों को बढ़ावा देने का आरोप लगा चुकी हैं। सबसे ज्यादा आलोचना वेरेट को झेलनी पड़ी है। प्रेस में उन्हें महाठग बुलाती है। अपनी एक पुस्तक में उन्होंने सुझाव दिया था कि कैंसर एक विकल्प हो सकता है। इतना ही नहीं उन्होंने महिलाओं को अपने पिछले यौन साथियों द्वारा छोड़े गए निशान को हटाने के लिए व्यायाम की सिफारिश भी की थी। अपनी वेबसाइट पर वह 222 डॉलर का ताबीज भी बेचते हैं, जिसके बारे में उनका दावा है कि इससे उन्हें कोरोना बीमारी नहीं छू पाएगी।

एक साथ 2000 लोगों ने अपनाया सनातन धर्म : काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में विश्व हिंदू परिषद ने हाल ही में एक बड़ा घर वापसी कार्यक्रम आयोजित किया, जिसमें 2000 ईसाइयों ने स्वेच्छा से हिंदू धर्म को अपनाया। इस कार्यक्रम में नेपाल के विभिन्न क्षेत्रों से आए हजारों लोगों की घर वापसी की गई। इस घर वापसी कार्यक्रम का आयोजन विश्व हिंदू परिषद के राष्ट्रीय संगठन मंत्री और प्रदेश अध्यक्ष ने किया। ईसाई धर्म से लौटे लोगों को वैदिक मंत्रोच्चार और हिंदू विधि-विधान के अनुसार सनातन धर्म में शामिल किया गया। कार्यक्रम के दौरान सभी घर वापसी करने वाले लोग बहुत खुश नजर आए। भीम पराजुली ने बताया कि जिन लोगों ने प्रलोभन या अज्ञानता के कारण ईसाई धर्म अपनाया था, उन्हें अब स्वेच्छा से हिंदू धर्म में वापसी की गई। सुनसरी, मोरंग और अन्य जिलों से हजारों लोग इस कार्यक्रम में शामिल हुए। घर वापसी करने वालों को हनुमान चालीसा भी वितरित की गई।

आतंकवादियों ने अपहृत पाक सैन्य अधिकारी सहित 4 लोगों को किया मुक्त

इस्लामाबाद, एजेंसी। आतंकवादियों ने तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान का गढ़ रह चुके डेरा इस्माइल खान से तीन दिन पहले अपहृत एक सैन्य अधिकारी सहित चार लोगों को शनिवार को मुक्त कर दिया। पाकिस्तानी सेना ने बताया कि आतंकवादियों ने लेफ्टिनेंट कर्नल खालिद अमीर को बुधवार को उस समय अगवा कर लिया था, जब वह अपने पिता के जनाजे में शामिल लोगों का मस्जिद में इंतजार कर रहे थे। सेना ने एक बयान में कहा कि लेफ्टिनेंट कर्नल खालिद और उनके तीन रिश्तेदारों की बिना शर्त रिहाई कबायली बुजुर्गों के दखल के कारण मुमकिन हो पाई और चारों अपहृत लोग सुरक्षित अपने घर लौट गए हैं। सेना ने घटना के संबंध में कोई अन्य जानकारी नहीं दी। उत्तर-पश्चिम पाकिस्तान के खैबर-पख्तूनख्वा प्रांत के अशांत डेरा इस्माइल खान इलाके में एक सैन्य अधिकारी और उसके तीन रिश्तेदारों के अपहरण की घटना की किसी संगठन ने जिम्मेदारी नहीं ली थी। हालांकि, अपहरण के कुछ घंटों बाद जारी वीडियो बयान में दो अपहृत लोग यह कहते हुए नजर आए थे कि वे पाकिस्तानी तालिबान के कब्जे में हैं। वे वीडियो में सरकार से अपहरणकर्ताओं की सभी मांगें मानने का अनुरोध करते भी नजर आए। हालांकि, वीडियो में मांगें स्पष्ट नहीं की गई थीं। पाकिस्तान में टीटीपी अक्सर सुरक्षा बलों को निशाना बनाता है, लेकिन अपहरण और रिहाई की इस तरह की घटनाएं दुर्लभ हैं। टीटीपी अफगान तालिबान से अलग संगठन है, लेकिन दोनों के बीच गहरे रिश्ते हैं। वर्ष 2021 में तालिबान के अफगानिस्तान की सत्ता पर काबिज होने के बाद से टीटीपी का हौसला बढ़ा है।

बस में महिला ने यात्रियों पर चाकू से ताबड़तोड़ हमले, 6 लोग घायल

बर्लिन, एजेंसी। पश्चिम जर्मनी में एक बस में चाकूबाजी की घटना में छह लोगों के घायल हो जाने के बाद पुलिस ने 32 वर्षीय एक महिला को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने बताया कि इस घटना में राजनीतिक या धार्मिक मंशा का कोई सबूत नहीं मिला है। पुलिस ने शुक्रवार शाम को कहा था कि जिन लोगों पर चाकू से हमला किया गया, उनमें तीन की स्थिति नाजुक है। कोलोन शहर के पास सिएगेन में शुक्रकवार को शाम करीब सात बजकर 40 मिनट पर यह हमला हुआ। बस एक स्थानीय उत्सव के लिए जा रही थी और उसमें कम से कम 40 लोग सवार थे। पुलिस एवं अभियोजकों ने बताया कि इस हमले में 16 से 30 साल तक के छह स्थानीय लोग घायल हुए जिनमें से तीन को उपचार के बाद शनिवार सुबह अस्पताल से छुट्टी दे दी गयी। सिएगेन में चाकूबाजी सोलीनगेन के चाकू हमले के एक सप्ताह बाद हुई है। सिएगेन और सोलीनगेन दोनों ही उत्तरी राइन वेस्ट्फ़ेलिया में हैं। करीब एक सप्ताह पहले सोलीनगेन में एक संदिग्ध इस्लामिक चरमपंथी पर तीन लोगों की हत्या तथा आठ अन्य को घायल करने का आरोप लगा था।

क्रैश हुआ विमान कई मकानों से टकराया, भयंकर आग से कई लोगों की मौत

पोर्टलैंड, एजेंसी। अमेरिका में पोर्टलैंड के पूर्वी इलाके में शनिवार सुबह एक छोटे विमान के कई मकानों से टकरा जाने से उनमें आग लग गई और कई लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि विमान में दो लोग सवार थे और कम से कम एक निवासी लापता है, लेकिन ताजा जानकारी के अनुसार हादसे में 3 लोगों की मौत हो गई है। पोर्टलैंड में 'केजीडब्ल्यू-टीवी द्वारा प्रसारित तस्वीरों और वीडियो में एक मकान में आग लगी हुई दिखाई दे रही है, जबकि आसपास के घरों से काला धुआं निकलता नजर आ रहा है। ग्रेशम के दमकल विभाग के प्रमुख स्कॉट लुइस ने बताया कि आग कम से कम चार मकानों में फैल गई, जिसके कारण छह परिवार विस्थापित हो गए। उन्होंने बताया कि घटनास्थल पर दो लोगों का इलाज किया गया, लेकिन उन्होंने यह नहीं बताया कि ये लोग कैसे घायल हुए और उनकी चोटें कितनी गंभीर हैं। संघीय विमानन प्रशासन ने विमान की पहचान दोहरे इंजन वाले 'सेसना 421सी के रूप में की है। उसने बताया कि यह विमान पोर्टलैंड से पूर्व की ओर लगभग 30 मिनट की दूरी पर स्थित ट्राउटडेल हवाई अड्डे के पास सुबह करीब साढ़े दस बजे दुर्घटनाग्रस्त हुआ। मल्टनोमा काउंटी शेरिफ कार्यालय के अनुसार, विमान के नीचे गिरने से एक खंभा और बिजली के तार टूट गए, जिससे पास के एक खेत में आग लग गई। फेयरव्यू शहर के आवासीय क्षेत्र में मकानों से टकराने के बाद विमान के कई हिस्से हो गए। इस क्षेत्र में करीब 10,000 लोग रहते हैं। लुइस ने बताया कि आग लगने के बारे में पहला फोन कॉल ट्राउटडेल हवाई अड्डे के 'कंट्रोल टॉवर के कर्मचारियों ने किया था, जिन्होंने धुएं का घना गुबार उठते देखा था, लेकिन शुरुआती रिपोर्ट से पता चलता है कि विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने से पहले ''आपात स्थिति को लेकर कोई कॉल नहीं आया था। राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड दुर्घटना की जांच कर रहा है। इसके प्रवक्ता पीटर नडसन ने बताया कि एजेंसी ने दुर्घटनास्थल पर दो जांचकर्ताओं को भेजा है, जो मलबे का दस्तावेजीकरण करेंगे। उन्होंने दुर्घटना के बारे में और कोई जानकारी नहीं दी।

ताइवान को फिर डराने की कोशिश, सीमा पर मंडराए 10 चाइनीज लड़ाकू विमान : ताइपे, एजेंसी। चीन ने शनिवार को फिलीपीन के एक तटरक्षक जहाज पर जानबूझकर चीनी जहाज को टक्कर मारने का आरोप लगाया है। चीनी तटरक्षक बल के प्रवक्ता लियू देजुन के हवाले से कहा गया कि पतवार संख्या 9701 वाला फिलीपीन जहाज शनिवार दोपहर चीन के जहाज-5205 से टकरा गया। लियू ने दावा किया कि फिलीपीन के जहाज ने चीनी तटरक्षक जहाज को 'खतरनाक तरीके से जानबूझकर टक्कर मारी।' बिना अधिक विवरण दिए उन्होंने कहा कि चीनी जहाज नियमानुसार संचालित हो रहा था। बता दें, चीन अपनी सेना का तेजी से विस्तार कर रहा है और दक्षिण चीन सागर पर अपना दावा जताने में वह लगातार मुखर होता जा रहा है।

अदन की खाड़ी में मालवाहक जहाज पर हुए हमले की जिम्मेदारी हूती ने ली

सना, एजेंसी। अदन की खाड़ी में ग्रोटन नामक मालवाहक जहाज पर हुए हमले की जिम्मेदारी हूती ने ली है। शनिवार को यमन में हूती विद्रोहियों द्वारा संचालित अल-मसीराह टीवी पर हूती प्रवक्ता याहया सारिया ने कहा, हमने फिलिस्तीन और हमास के समर्थन में अदन की खाड़ी में ग्रोटन जहाज पर हमला किया, क्योंकि इस जहाज की मालिकाना हक वाली कंपनी इजरायल के साथ व्यापार कर रही थी। समाचार एजेंसी शिन्हुआ के मुताबिक, उन्होंने कहा, मिलाइलों और ड्रोन्स को इस हमले के लिए इस्तेमाल किया गया। सारिया ने आगे कहा कि यह दूसरी बार है जब हूती ने किसी जहाज को अगस्त महीने में निशाना बनाया है। पहला हमला 3 अगस्त को किया गया था, और इस बात की चेतावनी जारी की गई थी कि अभी और जहाजों को निशाना बनाया जाएगा। इंग्लैंड के मेरी टाइम ट्रेड ऑपरेशन ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए कहा है कि उन्हें यमन दक्षिणी बंदरगाह से पूर्व में 130 नॉटिकल मील की दूरी पर अदन की खाड़ी में एक मालवाहक जहाज पर हमले की खबर मिली। इसमें यह कहा गया था कि जहाज के पास दो मिसाइलें दागी गईं और सभी क्रू सदस्य सुरक्षित हैं। नवंबर 2023 से हूती कथित तौर पर इजरायल संबंधित मालवाहक जहाजों को निशाना बनाता आ रहा है। हूती लाल सागर और अदन की खाड़ी के अहम समुद्री मार्ग पर पोतों को कई बार निशाना बना चुका है। उसका कहना है कि ऐसा वो गाजा में फिलिस्तीनीयों के प्रति एकजुटता दिखाने के लिए कर रहा है। 2014 के अंत से हूतियों ने उत्तरी यमन के अधिकांश भाग पर नियंत्रण कर रखा है, जिससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार को राजधानी सना से बाहर होना पड़ा है।

इराक के सलाहुद्दीन प्रांत में बम धमाका, दो नागरिकों की मौत

बगदाद, एजेंसी। इराक के सलाहुद्दीन प्रांत में हुए बम धमाके में दो लोगों की मौत हो गई है। एक पुलिस अधिकारी ने घटना की पुष्टि की है। अधिकारी के अनुसार, बगदाद के उत्तर में स्थित सलाहुद्दीन प्रांत में इस्लामिक स्टेट (आईएस) समूह द्वारा एक बम रखा गया था। अचानक विस्फोट हो गया और इसकी चपेट में आने से दो नागरिकों की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, सलाहुद्दीन प्रांत के बैजी शहर में शनिवार को एक कार के पास विस्फोट हुआ। सलाहुद्दीन पुलिस कमांड मीडिया कार्यालय के मोहम्मद अल-बाजी के अनुसार, ये विस्फोट इतना जोरदार था कि कार पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। यही नहीं, इसमें सवार दो लोगों की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया।

बता दें कि 2017 में इस्लामिक स्टेट (आईएस) को इराक से खदेड़ दिया गया था। इसके बावजूद आईएस के लड़ाके इराक में गुरिल्ला हमले कर रहे हैं। आतंकी शहरी केंद्रों, रेगिस्तानों और बीहड़ क्षेत्रों में घुसपैठ कर उन्हें निशाना बनाते हैं। इसके अलावा वह सुरक्षा बलों और नागरिकों पर भी हमला करते हैं। इससे पहले बीते 19 अगस्त को इराकी सुरक्षा बलों ने दक्षिणी बगदाद से इस्लामिक स्टेट (आईएस) के एक भगोड़े आतंकवादी को गिरफ्तार किया था। बगदाद ऑपरेशन कमांड (बीओसी) ने यह जानकारी दी।

समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने बीओसी के बयान के हवाले से बताया कि खुफिया सूचना के आधार पर इराकी सेना ने आतंकवादी गतिविधियों पर सावधानीपूर्वक नजर रखी और उसे बगदाद से 40 किलोमीटर दक्षिण में लतीफिया के आसपास के क्षेत्र में घात लगाकर घेर लिया। इसके बाद आतंकवादी को पकड़ने में सफलता मिली।

नेशनल सेमेट्री का दौरा करने पर ट्रंप को हैरिस ने घेरा, बोलीं- सैनिकों की कब्र पर राजनीति के लिए जगह नहीं

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव को लेकर आए दिन डेमोक्रेटिक और रिपब्लिकन पार्टी के लिए राष्ट्रपति पद के उम्मीदवारों के बीच जुबानी जंग जारी है। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेशनल सेमेट्री जाने पर मौजूदा उपराष्ट्रपति और डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार कमला हैरिस ने हमला बोला है। उन्होंने कहा कि सैनिकों की कब्र पर राजनीति के लिए जगह नहीं है। उनका नेशनल सेमेट्री जाना केवल राजनीतिक स्टंट है। दरअसल पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति और रिपब्लिकन पार्टी के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में अपने चुनाव प्रचार के दौरान राष्ट्रीय कब्रिस्तान (नेशनल सेमेट्री) में 2021 में अफगानिस्तान में मारे गए अमेरिकी सैनिकों के सम्मान में आयोजित श्रद्धांजलि समारोह में भाग लिया था। ट्रंप की टीम ने सोशल मीडिया पर इसका एक वीडियो पोस्ट किया था। इसमें ट्रंप को सैनिकों की कब्र के पास से गुजरते हुए दिखाया गया था। इस दौरान उन्होंने बाइडन की आलोचना भी की। बताया जाता है कि ट्रंप की टीम के दो सदस्यों का कब्रिस्तान के एक अधिकारी के साथ विवाद भी हुआ। इसके बाद अमेरिकी उपराष्ट्रपति और डेमोक्रेटिक पार्टी की राष्ट्रपति पद उम्मीदवार कमला हैरिस ने एक्स पर पोस्ट किया। उन्होंने लिखा कि कब्रिस्तान में राजनीति के लिए जगह नहीं है। मुझे भी उपराष्ट्रपति के तौर पर कई बार आर्लिंगटन राष्ट्रीय कब्रिस्तान का दौरा करने का मौका मिला। उन्होंने लिखा कि यह एक ऐसी जगह है जहां हम अमेरिकी नायकों का सम्मान करने आते हैं। डोनाल्ड ट्रंप की टीम यहां पर वीडियो फिल्मा रही थी। इसे लेकर उनकी टीम को कब्रिस्तान के कर्मचारियों से विवाद हुआ था। पूर्व राष्ट्रपति ने राजनीतिक स्टंट के लिए पवित्र भूमि का अनादर किया। उन्होंने ट्रंप के सैनिकों के अपमान के इतिहास का जिक्र किया। उन्होंने एक्स पर लिखा कि ट्रंप पहले भी कई बार सैनिकों का अपमान कर चुके हैं। उन्होंने समाज और देश की सेवा करने वालों को गिरा और हारा हुआ कहकर कई बार उनका अपमान किया है। हैरिस ने लिखा कि यह एक ऐसा व्यक्ति है जिसे अपनी सेवा के अलावा कुछ और नजर नहीं आता। उन्होंने यह भी लिखा कि अमेरिका के लोग चाहते हैं कि दिग्गजों, सैन्य परिवारों, सेवा सदस्यों को सम्मानित किया जाए। उनको सर्वोच्च सम्मान के साथ कृतज्ञता भी अर्पित करनी चाहिए। मगर जो व्यक्ति ऐसा नहीं कर सकता उसे कभी भी अमेरिका के राष्ट्रपति की मुहर के बारे में सोचना ही नहीं चाहिए। हैरिस ने लिखा कि मैं सैनिकों की सेवा और बलिदान का सम्मान करती हूं। उन्होंने हमारे राष्ट्र और हमारी आजादी के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया है। मैं उनके लिए शोक मनाती हूं।

जयपुर में बांध टूटने से कब्रिस्तान में पहुंचा पानी..... लाशें पानी में बहने लगीं

जयपुर ।जयपुर में बांध टूटने से जलमग्न हुए कब्रिस्तान से लाशें के बहने का मामला सामने आया है।कब्र से कई शव बाहर निकल पानी के तेज बहाव में बहने लगे।यह देख हर कोई दंग रह गया।लेकिन लोगों ने सूझबूझ दिखकर नाले में उतर शवों को आगे बहने से रोका।फिर रस्सी की मदद से कब्र से बाहर आए शवों को निकाला और वापस कब्र में दफन किया। दरअसल, खोह नागोरियान इलाके में सोमवार सुबह झमाझम बारिश में नूर बांध की दीवार टूटने से बांध का पानी दरगाह के पीछे कब्रिस्तान में घुस गया।इस पानी से कब्रिस्तान पूरी तरह से बर्बाद हो गया और कब्र से 5 शव बाहर आ गए।वहीं, कुछ देर बाद एक-एक कर लाशें पानी के बहाव में बहनें लगीं।जिन्हें कड़ी मशक्कत के बाद लोगों ने वापस कब्र में दफना किया।इस लेकर कांग्रेस विधायक अमीन कागजी ने बताया, पहाड़ियों के बीच में बना बरसों पुराना नूर का बांध अचानक सोमवार सुबह टूटा और उसका पानी बस्ती होकर कब्रिस्तान में पहुंच गया। इस वजह से कुछ जनाजे बहे जिन्हें लोगों ने वापस सुपुर्द-ए-खाक किए। इस लेकर जयपुर कलेक्टर को सूचना देकर मौके पर एसडीआरएफ की टीम भेजी है।

मुश्किल में अखिलेश का करीबी नवाब.... डीएनए रिपोर्ट में दुष्कर्म की पुष्टि

कन्नौज ।उत्तर प्रदेश के कन्नौज जिले में किशोरी से दुष्कर्म के मामले में पूर्व ब्लॉक प्रमुख और सपा नेता अखिलेश यादव का करीबी नवाब सिंह यादव का डीएनए सैंपल पीड़िता से मैच हुआ है।घटना के मौके से फॉरेंसिक टीम ने लिए नमूने और डीएनए टेस्ट रिपोर्ट में दुष्कर्म की पुष्टि है।इसके बाद नवाब सिंह की मुश्किलें बढ़ना तय है।एसपी अमित कुमार आनंद ने बताया कि विधि विज्ञान प्रयोगशाला से रिपोर्ट प्राप्त मिली गई है।नवाब सिंह ने किशोरी से दुष्कर्म किया है।विधि विज्ञान प्रयोगशाला की रिपोर्ट से इसकी पुष्टि करती है।किशोरी से पूर्व ब्लॉक प्रमुख नवाब के दुष्कर्म के मामले में पुलिस को 60 दिन के अंदर कोर्ट में चार्जशीट दाखिल करना होगा।इससे पुलिस ने करीब 70 पन्नों की केस डायरी तैयारी की है।जल्द ही पुलिस मामले में चार्जशीट दाखिल कर सकती है।पूर्व ब्लॉक प्रमुख नवाब सिंह की गिरफ्तारी का वीडियो इंटरनेट और मीडिया पर प्रचलित हुआ था।इसमें पीड़िता बगैर टॉप के कॉलेज के गेट पर खड़ी है। वीडियों में पीड़िता के साथ पुलिस अंदर कमरे में पहुंचती है।कमरे के अंदर बेड पर नवाब सिंह लेटा हुआ है।जबकि पीड़िता की बुआ पास में कुर्सी पर बैठी हैं।

कौन है नवाब सिंह यादव- बालिक से दुष्कर्म के प्रयास से सुर्खियों में आए नवाब सिंह ने छात्र संघ की राजनीति से सियासती पारी शुरू की।इसके बाद कम समय में ब्लॉक प्रमुख से लेकर सपा में मिनी मुख्यमंत्री के नाम से रसूक कायम किया।अखिलेश के बेहद खास माने जाने वाले नवाब सिंह डिंपल यादव का प्रतिनिधि भी रहा है।आरोपित नवाब सिंह यादव के खिलाफ जघन्य आपराधिक मामले दर्ज हैं।वर्ष 2007 से अबतक उस पर 16 मामले दर्ज हैं।इनमें अपहरण, गुंडा एक्ट, मारपीट और महामारी अधिनियम के मामले शामिल हैं।

माता वैष्णो देवी यात्रा मार्ग पर भूस्खलन... दो श्रद्धालुओं की मौत

जम्मू ।माता वैष्णो देवी यात्रा के दौरान एक बड़ा हादसा हुआ है।यात्रा मार्ग पर भूस्खलन के कारण दो श्रद्धालु की मौत हो गई है।घटना के बाद राहत और बचाव कार्य तेजी से शुरू किया गया, जिससे स्थिति को नियंत्रित किया गया।घायल श्रद्धालु को तुरंत चिकित्सा सुविधा प्रदान की गई और उसकी हालत स्थिर है। प्रशासन ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे यात्रा के दौरान सतर्क रहें और मार्ग की स्थिति को ध्यान में रखते हुए आगे बढ़ें।भूस्खलन के कारण यात्रा मार्ग पर अस्थायी रूप से आवाजाही रोक दी गई है, और मार्ग को साफ करने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया है।

2023 में 93.50 लाख लोगों ने किए थे देवी के दर्शन – हर साल लाखों लोग वैष्णो देवी के दर्शन करने जाते हैं।साल 2023 में रिकॉर्ड श्रद्धालुओं ने वैष्णो देवी के दर्शन किए थे।बीते एक दशक में 2023 में रिकॉर्ड 93.50 लाख श्रद्धालुओं ने वैष्णो देवी के दर्शन किए थे।आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, त्रिकुट पहाड़ियों पर बने वैष्णो देवी के मंदिर में 93.50 लाख लोगों ने देवी के दर्शन किए थे।इससे पहले 2013 में सर्वाधिक 93.24 लाख श्रद्धालुओं ने वैष्णो देवी के दर्शन किए थे।श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अंशुल गर्ग ने बताया था कि बीते दस सालों में इस बार सर्वाधिक 93.24 लाख तीर्थयात्री वैष्णो देवी के दर्शन करने पहुंचे थे।

दुष्कर्म के दोषियों को 10 दिन में फांसी..... ममता के विधेयक को भाजपा का समर्थन

कोलकाता ।कोलकाता डॉक्टर से रेप और हत्या के मामले से पूरा देश स्तब्ध है। इस तरह की जघन्य घटनाओं को रोकने के लिए सख्त से सख्त कानून बनाने की मांग हो रही है।इस बीच ममता सरकार का सोमवार से विधानसभा का दो दिन का विशेष सत्र बुलाया गया है।इस विशेष सत्र में विधेयक पेश होगा, जिसमें दुष्कर्म के दोषियों को 10 दिन के अंदर फांसी की सजा सुनिश्चित करने का प्रस्ताव है।ममता सरकार के सूत्रों ने बताया कि प्रस्तावित विधेयक मंगलवार को पेश करने की संभावना है।मुख्य विपक्षी पार्टी भाजपा विधानसभा में ममता के विधेयक का समर्थन करेगी। वहीं, बीजेपी का कहना है कि उनकी पार्टी बलात्कार के खिलाफ ममता सरकार के विधेयक का समर्थन करेगी।बीजेपी भाजपा नेता सुकांत मजूमदार ने कहा कि पार्टी ने फैसला किया है कि ममता के विधेयक का समर्थन करेगी।हालांकि, ममता बनर्जी के इस्तीफे की मांग को लेकर विधानसभा के अंदर भी प्रदर्शन जारी रहेगा।बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख ममता बनर्जी ने कुछ दिन पहले कहा था कि उनकी सरकार एंटी-रेप लॉ लाएगी, जिससे रेप के आरोपियों को दस दिन के भीतर मौत की सजा मिल सकेगी।बंगाल विधानसभा स्पीकर बिमान बनर्जी ने बताया कि यह बिल विधानसभा के विशेष सत्र के आखिरी दिन मंगलवार को पेश होकर उसी दिन चर्चा होकर पारित होगा।

दिल्ली में अवैध रूप से दौड़ रहे 114 ई-रिक्शा जब्त, जेसीबी से किया नष्ट

नई दिल्ली।दिल्ली की सड़कों पर दौड़ रहे अवैध ई-रिक्शा चालकों पर शिकंजा कसते हुए परिवहन विभाग ने 114 ई-रिक्शों को जब्त किया है। विभाग ने लगातार मिल रही शिकायतों के बाद गैरकानूनी रूप से चल रहे ई-रिक्शों को जब्त किया और जेसीबी से इन्हें नष्ट कर दिया।परिवहन विभाग ने अपना पूरा फोकस अवैध ई-रिक्शों पर केंद्रित कर दिया है।दिल्ली में करीब एक लाख 60 हजार ई रिक्शा चलते हैं, जिसमें बड़ी संख्या में अवैध ई-रिक्शा भी हैं, जिनके पास न तो लाइसेंस और न परमिट।ये ई-रिक्शा दिल्ली की सड़कों पर खतरनाक तरीके से लोगों की जान जोखिम में डालकर चलते हैं साथ ही ई-रिक्शा चालकों ने पूरी तरह सड़कों को घेर लेने की भी शिकायतें मिल रहीं थीं।ये अवैध ई-रिक्शे सड़कों पर खुलेआम बिजली चोरी भी करते हैं.जिसकी वजह से बिजली कंपनियों को करीब 120 करोड़ रुपए का नुकसान हो रहा है और यह नुकसान दिल्ली की जनता से वसूला जाता है।एक ई रिक्शा को चार्ज करने में 8 से 10 यूनिट बिजली खर्च होती है, लेकिन यह रिक्शा माफिया बिजली के पोल से बिजली चोरी कर के रिक्शाओं को चार्ज करते हैं, जिसके कारण दिल्ली में पिछले दिनों कई हादसे हुए और ई-रिक्शा में करंट आने से एक साल साल के बच्चे की और एक 40 साल की व्यक्ति की मौत हो गई थी।

मणिपुर में फिर चलीं दनादन गोलियां, महिला सहित दो की मौत 9 घायल

इंफाल।मणिपुर में एक बार फिर संदिग्ध उग्रवादियों द्वारा की गई फायरिंग में एक महिला समेत दो की मौत हो गई जबकि नौ अन्य घायल हो गए।सुरक्षाबलों ने आरोपि?यों की तलाश शुरू कर दी है।राज्य के पुलिस महानिदेशक राजीव सिंह ने बताया कि भारी हथियारों से लैस उग्रवादियों ने पहाड़ी की चोटी से अंधाधुंध गोलीबारी की और इंफाल पश्चिम जिले के अंतर्गत कोत्रुक और पड़ोसी कडांगबंद के निचले घाटी इलाकों में बम भी फेंके।इस गोलीबारी में 31 वर्षीय महिला और एक ग्रामीण की मौत हो गई, जबकि महिला की आठ वर्षीय बेटी और एक पुलिस अधिकारी समेत नौ अन्य लोग घायल हो गए।अधिकारी ने बताया कि संदिग्ध उग्रवादियों के अचानक हमले से तनाव और दहशत फैल गई।इसके कारण महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों समेत कई ग्रामीण सुरक्षित स्थानों पर शरण लेने के लिए भाग गए।मारी गई मैतेई समुदाय की महिला की पहचान नगांगबाम सुरबाला देवी के रूप में हुई।

जम्मू के सुंजवां में संतरी पोस्ट पर आतंकी हमला, गोलीबारी में एक जवान शहीद

-सेना ने इलाके को घेरा, तलाशी अभियान शुरु, ड्रोन की भी ली जा रही मदद

जम्मू, (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में लगातार आतंकियों के हमले हो रहे हैं। सोमवार को जम्मू के सुंजवां के संतरी पोस्ट के पास सैन्य स्टेशन पर आतंकियों ने हमला किया है। इस गोलीबारी में सेना का एक जवान शहीद हो गया। आतंकियों की तलाशी के लिए सेना ने घेराबंदी कर सर्च ऑपरेशन चला रही है। जम्मू के सुंजवां सैन्य स्टेशन पर आतंकियों द्वारा बेस के बाहर से की गई गोलीबारी में एक सैन्य जवान शहीद हो गया। शहीद जवान की पहचान नायक कुलदीप के रूप में हुई है। आतंकियों की तालश के लिए ड्रोन भी तैनात किए गए हैं।

रक्षा अधिकारियों ने इसकी जानकारी देते हुए कहा कि जम्मू के सुंजवान मिलिट्री स्टेशन में आतंकवादियों ने बेस के बाहर से गोलीबारी की, जिसमें सेना का एक जवान घायल हो गया। हमलावरों का पता लगाने के लिए सर्च ऑपरेशन जारी है। आतंकियों का हमला सुंजवान मिलिट्री स्टेशन के सेंट्री पोस्ट एरिया के पास के इलाके में हुआ। यहां 36 इंफेंट्री ब्रिगेड तैनात है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मिलिट्री स्टेशन के बाहर संदिग्ध गतिविधियां देखने को मिली थीं, जिसके बाद जवानों ने गोलियां चलाईं। इसकी वजह से हलचल बढ़ गई और सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया गया है।

सेना के अधिकारियों ने बताया कि गोलीबारी के बाद किसी संदिग्ध के हताहत होने की सूचना नहीं है लेकिन सेना और स्थानीय पुलिस के विशेष अभियान समूह (एसओजी) ने गहन तलाशी के लिए इलाके को घेर लिया गया है। ये पहला मौका नहीं है, जब सुंजवान मिलिट्री स्टेशन पर हमला हुआ है। इससे पहले फरवरी 2018 में, आतंकवादियों ने सुंजवान मिलिट्री कैंप पर हमला किया था, जिसमें छह जवान शहीद हो गए थे, एक नागरिक और तीन आतंकवादी भी मारे गए थे।

पिछले हफ्ते, सुरक्षा बलों ने 31 अगस्त को जम्मू-कश्मीर के बांदीपुरा जिले के गुरेज सेक्टर में एलओसी के नजदीक घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया था। आतंकवादियों की गतिविधि देखे जाने के बाद घुसपैठ करने वाले आतंकवादियों और सेना के बीच गोलीबारी शुरू हुई थी। पिछले हफ्ते ही जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में एलओसी पर दो अलग-अलग मुठभेड़ों में कम से कम तीन आतंकवादी मारे गए थे।

करारी हार के बाद अवामी इत्तेहाद पार्टी में सेंधमारी में जुटे उमर अब्दुल्ला

श्रीनगर ।लोकसभा चुनावों में शेख अब्दुल रशीद ने नेशनल कांफ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला को हराकर बड़ी राजनीतिक हलचल मचा दी थी।उमर को भरोसा नहीं हो रहा था कि जिस कश्मीर पर उन्होंने और उनके परिवार ने लंबे समय तक राज किया वहां पर उन्हें जेल में बंद एक व्यक्ति ने हरा दिया।करारी हार के बाद उमर ने शेख अब्दुल रशीद की अध्यक्षता वाले राजनीतिक दल अवामी इत्तेहाद पार्टी में सेंध लगानी शुरु कर दी है।बता दें कि रशीद की अध्यक्षता वाली अवामी इत्तेहाद पार्टी (एआईपी) के कई कार्यकर्ता नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) में शामिल हुए हैं।हालांकि रशीद की पार्टी के तमाम नेताओं का कहना है कि इससे हमारे चुनावी प्रदर्शन पर ज्यादा असर नहीं होगा, क्योंकि जनता हमारे साथ है।बता दें कि श्रीनगर में रोजाना बड़ी संख्या में नेता और कार्यकर्ता अवामी इत्तेहाद पार्टी में शामिल हो रहे हैं जिसके चलते इस पार्टी का दावा है कि उसे दक्षिण और मध्य कश्मीर में बड़ा जनसमर्थन मिल रहा है।श्रीनगर में रशीद के बेटे अबराब रशीद ने कहा कि जैसे लोकसभा चुनावों में उत्तरी कश्मीर ने हमारा समर्थन किया था, वैसा ही समर्थन हमें मध्य और दक्षिण कश्मीर से भी इस बार के विधानसभा चुनावों में मिलेगा है।उन्होंने कहा कि मैं मध्य और दक्षिण कश्मीर के लोगों से उम्मीद करता हूँ कि विधानसभा चुनावों में वे हमारी पार्टी को चुने। वहीं एआईपी के प्रवक्ता इनाम उन नबी ने कहा कि कश्मीर के लोगों को अवामी इत्तेहाद पार्टी के चलते एक नई क्षेत्रीय पार्टी का विकल्प मिल गया है।उन्होंने कहा कि हम चुनाव में उचित जनादेश की उम्मीद कर रहे हैं क्योंकि खंडित जनादेश से कुछ नहीं मिलेगा।

बुलडोजर एक्शन पर सुप्रीम कोर्ट, व्यक्ति दोषी भी... तब भी घर नहीं गिराया जा सकता

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट में बुलडोजर मामलों की सुनवाई सोमवार से शुरू हो गई। जस्टिस गवई और जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच के सामने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने दलीलें पेश कीं। सॉलिसिटर जनरल मेहता ने बताया कि जो कार्रवाई की गई है, वह नगर-निगम और नगरपालिका के कानून के अनुसार ही की गई है। उन्होंने बताया कि अवैध कब्जे के मामलों में म्युनिसिपल संस्थाओं द्वारा नोटिस देने के बाद ही कार्रवाई हुई है। जस्टिस विश्वनाथन ने केंद्र सरकार से विस्तृत जवाब मांगा है। शीर्ष अदालत ने नोटिस, कार्रवाई और अन्य आरोपों पर मोदी सरकार को उत्तर देने के निर्देश दिए हैं। मामले में अगली सुनवाई 17 सितंबर को होगी।

सुप्रीम कोर्ट ने बुलडोजर कार्रवाई पर सवाल खड़े कर कहा कि सिर्फ आरोपी होने के आधार पर किसी के घर को गिराना उचित नहीं है। अदालत ने शासन और प्रशासन की कार्रवाई पर सवाल उठाकर कहा कि अगर कोई व्यक्ति दोषी भी है,तब भी घर को गिराया नहीं जा सकता। सॉलिसिटर जनरल मेहता ने इस बात को स्वीकार कर कहा कि अपराध में दोषी साबित होने पर भी घर नहीं गिराया जा सकता। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिनके खिलाफ कार्रवाई हुई है, वे अवैध कब्जे या निर्माण के कारण निशाने पर हैं, न कि अपराध के आरोप की वजह से हुई है।

जमीयत उलेमा ए हिन्द ने याचिका दाखिल कर सरकारों द्वारा आरोपियों के घरों पर मनमाने ढंग से बुलडोजर चलाने पर रोक लगाने की मांग की है। याचिका में यूपी, मध्यप्रदेश और राजस्थान में हाल में हुई बुलडोजर कार्रवाइयों का उल्लेख करते हुए अल्पसंख्यक समुदाय को निशाना बनाने का आरोप लगाया गया है।

याचिका पर की गई थी जल्द सुनवाई की हुई थी मांग

वरिष्ठ वकील दुष्यंत दवे ने याचिका पर जल्द सुनवाई की मांग की थी। याचिका जहांगीरपुरी मामले में वकील फरूख रशीद द्वारा दाखिल की गई थी। याचिका में कहा गया था कि राज्य सरकारें हाशिए पर मौजूद लोगों, खासकर अल्पसंख्यकों के खिलाफ दमन चक्र चलाकर उनके घरों और संपत्तियों पर बुलडोजर चलाने को बढ़ावा दे रही हैं, जिससे पीड़ितों को कानूनी उपाय करने का मौका नहीं मिलता।

एमेनेस्टी इंटरनेशनल की फरवरी 2024 की रिपोर्ट के अनुसार, अप्रैल 2022 से जून 2023 के बीच दिल्ली, असम, गुजरात, मध्यप्रदेश और यूपी में सांप्रदायिक हिंसा के बाद 128 संपत्तियों को बुलडोजर से ढहा गया। मध्यप्रदेश में एक आरोपी के पिता की संपत्ति पर बुलडोजर चलवा दिया गया, और मुरादाबाद तथा बरेली में भी बुलडोजर से संपत्तियां ढहाई गईं। हाल ही में, राजस्थान के उदयपुर जिले में राशिद खान का घर भी बुलडोजर से गिरा दिया गया, जिसमें उनके 15 वर्षीय बेटे पर स्कूल में अपने सहपाठी को चाकू से गोदने का आरोप था।

दुष्कर्म के आंकड़ों पर सिब्बल का उपराष्ट्रपति पर पलटवार, बोल- धनखड़ जी, आपने बंगाल क्यों नहीं देखा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने सोमवार को कथित एससीबीए प्रस्ताव पर उनकी आलोचना करने के लिए उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ पर पलटवार किया, जिसमें वरिष्ठ वकील ने कथित तौर पर कोलकाता में एक प्रशिक्षु डॉक्टर के बलात्कार और हत्या को 'लक्षणात्मक अस्वस्थता' बताया था। सिब्बल ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, टाइम्स ऑफ इंडिया (रिपोर्ट); बलात्कार (2017 से 2022 के बीच)। बलात्कार/सामूहिक दुष्कर्मके बाद हत्या के 1,551 मामलों में से सबसे अधिक (280) मामले उत्तर प्रदेश में दर्ज किए गए, उसके बाद मध्य प्रदेश (207), असम (205), महाराष्ट्र (155) और कर्नाटक (79) का नंबर आता है।

सिब्बल ने उपराष्ट्रपति को लेकर आगे लिखा कि धनखड़ जीः आपने इसे देखा? पश्चिम बंगाल क्यों गायब है? कोई दुर्भावना नहीं? धनखड़ ने एससीबीए अध्यक्ष सिब्बल की आलोचना की थी, जिन्होंने एक कथित प्रस्ताव में कहा था कि कोलकाता के सरकारी आर जी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में हुई दुखद घटना बीमारी का लक्षण'' थी और उन्होंने कहा था कि ऐसी घटनाएं आम बात हैं।

उपराष्ट्रपति ने 30 अगस्त को दिल्ली विश्वविद्यालय के भारती कॉलेज में छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा था, ''मैं दुखी हूं, और कुछ हद तक स्तब्ध भी कि सुप्रीम कोर्ट बार में एक पद पर आसीन एक संसद सदस्य, इस तरीके से काम कर रहे हैं और क्या कहते हैं वो! बीमारी का लक्षण, और सुझाव दिया कि ऐसी घटनाएं आम हैं! कितनी शर्म की बात है! ऐसी घटनाओं की निंदा करने के लिए मेरे पास शब्द नहीं हैं।

तेजस्वी को सिन्हा का जबाव... बिहार की जनता मालिक है, जनता तय करेगी सच्चा सेवक कौन

-लालू ने 15 साल में एक भी व्यक्ति को नहीं दिया आरक्षण

पटना (एजेंसी)। बिहार के डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा ने राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) नेता और पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव पर कथित तौर पर जातिवाद करने का आरोप लगाकर कहा कि लोगों को तय करना हैं कि बिहार का सच्चा सेवक कौन होगा। सिन्हा की यह प्रतिक्रिया तेजस्वी की जाति जनगणना और बिहार में 65 प्रतिशत आरक्षण वृद्धि को संविधान की नौवीं अनुसूची में शामिल करने की मांग के बाद आई है। उन्होंने कहा कि बिहार की जनता मालिक है और बिहार का सच्चा सेवक कौन होगा, वहां तय करेगी।

सिन्हा ने कहा कि जो लोग जाति के जहर के कहर से बिहार को प्रभावित करते हैं, राजनीति में भी जातिय चश्मा पहनकर राजनीति को गंदा करते हैं। इतना ही नहीं ये लोग बिहार में भ्रष्टाचार बढ़ाते हैं, अपराधियों का मनोबल बढ़ाते हैं। अपने परिवार के उत्थान और कल्याण के लिए नाटक रचा जा रहा है। तेजस्वी पर हमला कर उन्होंने कहा कि उनके पास अपने माता-पिता के 15 साल के कार्यकाल में हुए कामों को गिनाने की कोई जगह है।

भाजपा नेता सिन्हा ने कहा कि एक जगह ये लोग 17 महीनें रहे और एनडीए 17 सालों तक सत्ता में रही। एनडीए के कार्यकाल में जो काम शुरू हुआ उसी को वे(राजद) गिनवा रहे हैं। जनता को बरगलाने, भौकाल बनाने की राजद की संस्कृति है। यही इनकी मानसिकता है। इस बीच, बिहार के एक अन्य उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बिहार में लालू यादव के 15 साल के शासन को याद कर आरोप लगाया कि एक भी व्यक्ति को आरक्षण नहीं दिया जा रहा है।

चौधरी ने कहा कि लालू 15 साल तक सत्ता में रहे लेकिन उन्होंने एक भी व्यक्ति को आरक्षण नहीं दिया। उन्हें केवल परिवार के आरक्षण की चिंता है। लालू यादव के परिवार को कभी भी पूरे राज्य की चिंता नहीं रही।

भाजपा सांसद का आरोप खड़गे परिवार को मुफ्त में मिली 19 एकड़ सरकारी जमीन

बेंगलुरु (एजेंसी)। भाजपा सांसद लहर सिंह सिरोया ने कांग्रेस नेता और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और उनके परिवार पर गंभीर आरोप लगाया हैं। उन्होंने दावा किया है कि खड़गे परिवार द्वारा संचालित सिद्धार्थ विहार ट्रस्ट को गुलबर्गा में 19 एकड़ सरकारी जमीन मुफ्त में मिली है। ट्रस्ट के अंतर्गत चलने वाले इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पाली, संस्कृत और तुलनात्मक दर्शन को यह जमीन कांग्रेस सरकार के दौरान आवंटित की गई थी।

भाजपा नेता सिरोया ने कहा कि सिद्धार्थ विहार ट्रस्ट के ट्रस्टी खड़गे की पत्नी, दामाद और दो बेटे हैं। पाली इंस्टीट्यूट के सचिव श्री राधाकृष्ण, जो खड़गे के दामाद और वर्तमान गुलबर्गा के सांसद हैं, ट्रस्ट से जुड़े हुए हैं। हाल ही में यह बात भी सामने आई थी कि सिद्धार्थ विहार ट्रस्ट को बेंगलुरु के एयरोस्पेस पार्क में 5 एकड़ सिविक एमेनिटीज की जमीन दी गई थी।

भाजपा ने बताया कि मार्च 2014 में, सिद्धारमैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने पाली इंस्टीट्यूट को 30 साल के लिए 16 एकड़ सरकारी जमीन लीज पर दी थी। कुछ सालों बाद, इस जमीन में 3 एकड़ और जोड़ी गई। आखिरकार,मार्च 2017 में, सिद्धारमैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने पूरी 19 एकड़ जमीन खड़गे परिवार द्वारा संचालित संस्थान को मुफ्त में दे दी। महत्वपूर्ण है कि तब खड़गे के बेटे प्रियंक, जो वर्तमान में भी कर्नाटक सरकार में मंत्री हैं, तब भी कैबिनेट मंत्री थे जब यह जमीन आवंटित की गई।

सिरोया ने मांग की है कि 19 एकड़ जमीन के हस्तांतरण की, बेंगलुरु के केआईएडीबी की 5 एकड़ जमीन आवंटन की तरह, स्वतंत्र एजेंसी से जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि खड़गे परिवार द्वारा कथित सत्ता के दुरुपयोग और भाई-भतीजावाद की ओर इशारा करने के लिए उन्हें व्यक्तिगत रूप से निशाना बनाया गया है, लेकिन अगर खड़गे परिवार डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर और भगवान गौतम सिद्धार्थ के सिद्धांतों में विश्वास रखते हैं, तब उन्हें खुद इस मामले की जांच की मांग करनी चाहिए।

आदमखोर भेड़ियों को पकड़ने में .... रंगीन टेडी गुड़िया वन विभाग का हथियार

बहराइच (एजेंसी)। भेड़ियों को पकड़ने में जुटी वन विभाग की टीम के एक वरिष्ठ वन अधिकारी ने कहा भेड़ियों को पकड़ने के लिए बच्चों के मूत्र में भिगोई गई रंगीन टेडी गुड़िया का उपयोग करके उन्हें पकड़ने की कोशिश हो रही है।

वन विभाग ने अब इन शिकारियों को पकड़ने के लिए झूठे चारे के रूप में चमकीले रंग की टेडी गुड़िया का उपयोग करके एक अभिनव प्रयास शुरू किया है। इन गुड़ियों को नदी के किनारे, भेड़ियों के आराम करने के स्थानों और मांदों के करीब रणनीतिक रूप से रखा गया है, और प्राकृतिक मानव गंध की नकल करने के लिए बच्चों के मूत्र में भिगोया जा रहा है।

इस बारे में वन अधिकारी ने बताया, भेड़िये लगातार अपना स्थान बदल रहे हैं। आमतौर पर, वे रात में शिकार करते हैं और सुबह तक आराम करते हैं। हमारी रणनीति उन्हें गुमराह करना और उन्हें आवासीय क्षेत्रों से दूर उनके मांद के पास रखे जाल या पिंजरों की ओर आकर्षित करना है।

वन अधिकारी ने कहा, हम थर्मल ड्रोन का उपयोग करके उन्हें ट्रैक करने और फिर पटाखे फोड़कर और शोर मचाकर उन्हें जाल के पास सुनसान इलाकों की ओर ले जाने का प्रयास कर रहे हैं। चूंकि ये जानवर मुख्य रूप से बच्चों को निशाना बनाते हैं, इसलिए हमने जाल के पास मानव उपस्थिति का झूठा आभास पैदा करने के लिए बच्चों के मूत्र में भिगोए हुए रंगीन कपड़े पहने बड़ी टेडी गुड़िया पेश की हैं। प्राकृतिक मानव गंध भेड़ियों को जाल के करीब आकर्षित कर सकती है।

वरिष्ठ आईएफएस अधिकारी ने बताया कि ऐतिहासिक रूप से, अंग्रेजों ने इस क्षेत्र से भेड़ियों को खत्म करने का प्रयास किया था, यहां तक ??कि उन्हें मारने के लिए इनाम भी दिया था। हालांकि, इन प्रयासों के बावजूद, भेड़िये जीवित रहने में कामयाब रहे और नदी के किनारे के इलाकों में निवास करते है। जानवरों को पकड़ने के लिए विभिन्न प्रकार के चारे का उपयोग किया जाता है, जिसमें जीवित चारा, मृत चारा और झूठा या नकाबपोश चारा शामिल है।

उन्होंने कहा कि वन विभाग द्वारा इस्तेमाल की जा रही टेडी डॉल को झूठे चारे के रूप में देखा जा सकता है, ठीक उसी तरह जैसे खेतों में पक्षियों से फसलों की रक्षा के लिए बिजूका का इस्तेमाल होता है। हालांकि इस तरह के तरीकों के सफल होने का कोई प्रमाणित रिकॉर्ड नहीं है। हाल के महीनों में, बहराइच की महसी तहसील में भेड़ियों का एक झुंड तेजी से आक्रामक हो गया है, जुलाई से हमले तेज हो गए हैं। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, छह भेड़ियों के झुंड ने 17 जुलाई से कथित तौर पर छह बच्चों और एक महिला को मार डाला है, जबकि कई ग्रामीणों को घायल कर दिया है। छह भेड़ियों में से चार को पकड़ लिया गया है, लेकिन दो अभी भी फरार हैं, जो क्षेत्र में खतरा बने हुए हैं।

वन विभाग थर्मल और नियमित ड्रोन दोनों का उपयोग करके इन भेड़ियों की सक्रिय रूप से तलाश कर रहा है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

"बंद करो, बंद करो, टिकट की कालाबाजारी बंद करो" के नारे के साथ कांग्रेस द्वारा सूरत रेलवे स्टेशन पर विरोध प्रदर्शन किया गया

क्रांति समय | सूरत शहर कांग्रेस द्वारा टिकट की कालाबाजारी को बंद करने के नारे के साथ सूरत रेलवे स्टेशन पर विरोध प्रदर्शन किया गया. साथ ही सूरत और उधना रेलवे स्टेशन से लंबे रूटों की ट्रेन में होने वाली कालाबाजारी एवं मुसाफिरों को होने वाली समस्या के साथ अन्य प्रश्नों के संबंध में सूरत शहर कांग्रेस समिति द्वारा आवेदन पत्र दिया गया.

कांग्रेस द्वारा मांग की गई है कि उत्तर भारत, वराणसी, पटना (बिहार), दानापुर, प्रयागराज, अमरावती (महाराष्ट्र) बरमपुर (ओडिसा) जाने वाली ट्रेनो को दीपावली और छठ पूजा के समय नियमित किया जाय और अमरावती उसमे अतिरिक्त जनरल डब्बे जोड़े जाए और डेली किया जाए. अपने वतन जाने के लिए जनता टिकट आरक्षण 3-4 महीने पहले टिकट बुक करवा लेते है और यात्रा वाले दिन स्टेशन भीड़ से भर जाती हैं, जिस ट्रेन में 1500 से 2000 लोग यात्रा कर सकते है उसमे 7000 से 8000 हजार लोग यात्रा करने को मजबूर हो है. इतनी भीड़ से ट्रेन या स्टेशन पर कोई भी हादसा हो सकता है. भूतकाल में इस तरह की कई दुर्घटनाओ की वज़ह से कई यात्रियों की मृत्यु होने के बाद सुविधा बढ़ाई गई और एक दिन में 3-3 ट्रेन दोडाई गई. इन सभी वजहों से यात्री मजबूरी में दलालो से 5 गुना ज्यादा पैसा देकर टिकट खरीदता है. साथ ही जनता की समस्या का समाधान जल्द से जल्द निकाले जिससे मुसाफिरो को राहत मिले.

सूरत शहर कांग्रेस समिति द्वारा की गई मांग

- उत्तर भारत की तरफ जाने वाली गाड़िया जैसे उधना दानापुर, श्रमिक एक्सप्रेस, महामना एक्सप्रेस जैसी साप्ताहिक ट्रेनों को रेगुलर किया जाए और रोज चलाई जाए.
- सुरत अमरावती एक्सप्रेस को रेगुलर किया जाए और जनरल डिब्बे बढ़ाये जाए.
- सुरत बरमपुर एक्स्प्रेस को साप्ताहिक से रेगुलर किया जाए ताकि ओडिसा वासी जनता को फायदा मिले.
- काशी विश्वनाथ के दर्शन के लिए सूरत-वराणसी वंदे भारत जैसी ट्रेन चलाई जाए.
- उधना रेलवे स्टेशन पर सिर्फ पश्चिम की तरफ ही गेट है. पूर्व की तरफ भी गेट खोला जाए और फुट ओवर ब्रिज की सुविधा दी जाए जिससे यात्रियों को सुविधा हो.
- टिकटो की काला बाजारी पर रोक लगे. लंबी दूरी की ट्रेनों में जी आर पी और आर पी एफ की गश्त बढ़ाई जाए. अनाधिकृत आहार और पानी पर रोक लगे व रेला नीर की उपलब्धता बढ़ाई जाए एवं वी आई पी टिकटों का घोटाला बंद हो.

पर्वाधिराज पर्युषण, दूसरा दिन स्वाध्याय दिवस के रूप में हुआ समायोजित

क्रांति समय | सूरत, जैन श्वेताम्बर तेरापंथ धर्मसंघ के वर्तमान अनुशास्ता, भगवान महावीर के प्रतिनिधि, युगप्रधान आचार्यश्री महाश्रमणजी की पावन सन्निधि में पर्वाधिराज पर्युषण प्रारम्भ हो चुका है. आत्मा के कल्याण का यह महापर्व अपनी पूर्ण भव्यता के साथ मनाया जा रहा है. हजारों की संख्या में श्रद्धालु अपने आराध्य की मंगल सन्निधि में पहुंच गए हैं और पूरे दिन और रात तक इस सुअवसर का लाभ उठा रहे हैं. चारों ओर मानों आध्यात्मिकता की रश्मियां प्रस्फुरित नजर आ रही हैं. लोगों को आध्यात्मिक लाभ प्रदान करने की महातपस्वी आचार्यश्री महाश्रमणजी की अनुज्ञा से साधु-साध्वियां भी पूर्ण जागरूकता के साथ जुटे हुए हैं. प्रातःकाल अर्हत् वंदना आदि के उपरान्त महावीर समवसरण में जनता जहां प्रेक्षाध्यान से क्रम से जुटी हुई दिखाई दे रही है तो उसके उपरान्त पच्चीस बोल के तात्त्विक विश्लेषण का श्रवण कर अपने जीवन में आध्यात्मिक ज्ञान की वृद्धि का प्रयास भी दिखाई देता है. आगम की वाणी का श्रवण और तदुपरान्त आचार्यश्री की मंगलवाणी से पूर्व साध्वीप्रमुखाजी, मुख्यमुनिश्री, साध्वीवर्याजी तथा अन्य चारित्रात्माओं द्वारा अनेक विषयों पर आधारित व्याख्या अथवा गीत आदि के श्रवण का लाभ प्राप्त हो रहा है. इतना ही नहीं श्रद्धालुओं को दोपहर में भी चारित्रात्माओं के व्याख्यान का लाभ, फिर पुनः आचार्यश्री के प्रवास कक्ष में आगम वाचन के श्रवण को चारित्रात्माओं के साथ जनता भी उमड़ रही है. यह आध्यात्मिक क्रम देर रात तक चल रहा है.

पर्युषण महापर्व के दूसरे दिन सोमवार को महावीर समवसरण के मुख्य मंगल प्रवचन कार्यक्रम में आचार्यश्री की मंगलवाणी से पूर्व तीर्थ और तीर्थंकर विषय पर मुनि सिद्धकुमारजी ने अपनी विचाराभिव्यक्ति दी. साध्वीवर्या सम्बुद्धयशाजी ने क्षांति-मुक्ति धर्म पर आधारित गीत का संगान किया. मुख्यमुनिश्री महावीरकुमारजी ने क्षांति-मुक्ति धर्म को विवेचित किया. साध्वी प्रीतिप्रभाजी ने स्वाध्याय दिवस पर आधारित गीत का संगान किया. तदुपरान्त साध्वीप्रमुखा विश्रुतविभाजी ने स्वाध्याय दिवस के संदर्भ में उपस्थित जनता को पावन प्रतिबोध प्रदान किया.

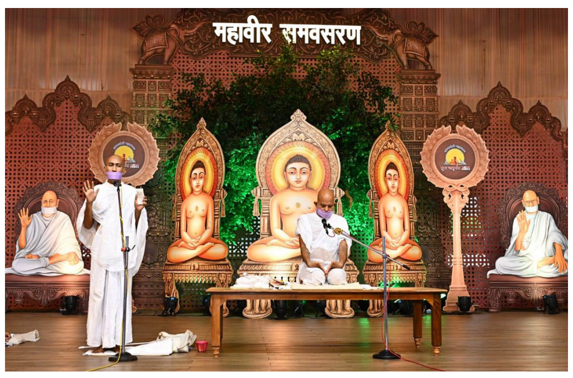

अहिंसा यात्रा प्रणेता आचार्यश्री महाश्रमणजी ने पर्युषण महापर्व के दूसरे दिन सोमवार को महावीर समवसरण व उसके आसपास उपस्थित विशाल जनमेदिनी को 'भगवान महावीर की अध्यात्म यात्रा' के प्रसंग का प्रारम्भ करते हुए कहा कि जम्बूद्वीप के पश्चिम विदेह में स्थित एक नगरी जयंती के राजा शत्रुमर्दन का वर्णन करते हुए भगवान महावीर के वर्णित पूर्व के वर्णित 27 भवों की व्याख्या क्रम को प्रारम्भ किया. आचार्यश्री ने भगवान महावीर की नयसार में स्थित आत्मा के विषय में प्रेरणा प्रदान की.

तत्पश्चात आचार्यश्री स्वाध्याय दिवस पर उपस्थित विशाल जनमेदिनी को पावन पाथेय प्रदान करते हुए कहा कि ज्ञान से आदमी पदार्थों को जानता है. ज्ञान के विकास के लिए स्वाध्याय सहयोगी बन सकता है. ज्ञान दो प्रकार का हो सकता है-एक ज्ञान भीतर से उठता है और दूसरा पुस्तकों अथवा दूसरों से सुनकर प्राप्त होता है. भीतर से उठने वाला ज्ञान मानों कुएं के पानी के समान है तो दूसरों से अथवा पुस्तकों से प्राप्त ज्ञान कुण्ड के समान है. जितना उसमें डाला गया है, बस उतना ही प्राप्त किया जा सकता है. स्वाध्याय के द्वारा बाहर से लिया जाने वाला ज्ञान संगृहीत हो सकता है. स्वाध्याय के आदमी को पहले स्वयं को पढ़ना होता है, जिज्ञासा होने पर पूछना चाहिए. वाचना से प्राप्त ज्ञान और पूछने से जाने गए ज्ञान को मजबूत करने के लिए ज्ञान का चिताड़ना करने का प्रयास करना चाहिए. ज्ञान की अनुप्रेक्षा की जाए तो कोई नई बात भी सामने आ सकती है. उसके बाद आदमी को अपने ज्ञान का परोपकार के रूप में प्रयोग करने का प्रयास करना चाहिए. धर्मकथा के माध्यम से लोगों को भी उस ज्ञान से अवगत कराने का प्रयास करना चाहिए. हमारे कितनी चारित्रात्माएं आगम के कार्य से जुड़े हुए हैं. आदमी को स्वाध्याय का विकास करने का प्रयास करते रहना चाहिए.

शिक्षक भर्ती पर आरोप: गुजरात सरकार ने बेरोजगारों के साथ किया छल - AAP

क्रांति समय | एक ओर हजारों युवा ऐसे हैं जिन्होंने B.Ed, TET, TAT पास करके स्थाई शिक्षक की नौकरी की प्रतीक्षा कर रहे हैं। दूसरी ओर शिक्षा मंत्री ने 31 अगस्त को ट्वीट करके जानकारी दी थी कि 4,000 नए शिक्षकों की भर्ती की जाएगी। लेकिन आज, दो दिन बाद, सरकार यह घोषणा करती है कि उन्होंने केवल तबादले की बात की थी। इसका मतलब है कि वे 4,000 नए शिक्षकों की भर्ती करने के बजाय केवल मौजूदा शिक्षकों का तबादला करने जा रहे हैं। कक्षाओं में पढ़ने वाले बच्चे भारत का भविष्य हैं। जो युवा रोजगार के लिए संघर्ष कर रहे हैं, वे भी भारत का भविष्य हैं। तो आखिर देश के भविष्य के साथ ये नेता कब तक खिलवाड़ करेंगे? ऐसे आरोप विपक्ष द्वारा लगाए जा रहे हैं।

विपक्ष द्वारा पिछले पांच वर्षों में कई बार धरना प्रदर्शन किए गए हैं, विरोध प्रदर्शन किए गए हैं, ज्ञापन दिए गए हैं और आंदोलन भी किए गए हैं। लगातार यह मांग की जा रही है कि खाली कक्षाओं में स्थायी शिक्षकों की भर्ती की जाए और हजारों बेरोजगार युवाओं को रोजगार प्रदान किया जाए। आज गुजरात के हजारों बेरोजगार युवाओं और उनके माता-पिता की ओर से आम आदमी पार्टी ने एक बार फिर से मांग की है कि खाली कक्षाओं में अब स्थायी शिक्षकों की भर्ती की जाए। सरकार बच्चों, युवाओं, उनकी भावनाओं और उनके भविष्य के साथ खिलवाड़ करना बंद करे।

आम आदमी पार्टी के नगर प्राथमिक शिक्षा समिति के विपक्षी सदस्य राकेश हिरपरा ने कहा कि राज्य सरकार बड़ी-बड़ी बातें करती है, लेकिन वास्तविकता कुछ और ही है। जिस तरह से छात्र परीक्षा की तैयारी करते हैं और फिर पेपर लीक हो जाते हैं, उसी तरह से सरकार ने भर्ती की घोषणा की और फिर उसे बदल दिया और कहा कि यह केवल तबादले की बात थी।

इसके अलावा, राकेश हिरपरा ने कहा कि 1 सितंबर को उच्चतर माध्यमिक विभाग में 4,000 शिक्षकों की भर्ती की घोषणा पहले ऋषिकेश पटेल द्वारा एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में की गई थी। इसके बाद, मुख्यमंत्री, शिक्षा मंत्री प्रफुल पानसेरिया, और भाजपा के कई नेताओं द्वारा ट्वीट के माध्यम से यह खुशखबरी भी दी गई थी। लेकिन सरकार द्वारा किए गए वादे के अनुसार, 1/8 को 2,200 पुराने शिक्षकों की भर्ती की जा रही है, जो मौजूदा शिक्षकों के लिए है। यह भर्ती नहीं बल्कि तबादले की प्रक्रिया है। इस प्रकार, उच्चतर माध्यमिक में 2,000 और माध्यमिक में 2,000 पुराने शिक्षकों की भर्ती की घोषणा की गई। लेकिन जो TET पास उम्मीदवार हैं, जो भर्ती की अधिसूचना की उम्मीद कर रहे थे, उनका क्या होगा? सरकार ने 4,000 की घोषणा की थी लेकिन अभी भी कोई अधिसूचना जारी नहीं की गई है।

परमात्मा का शासन सुख के साथ सदगुण देता है : आचार्य श्री जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी

क्रांति समय | सूरत, शहर के पाल में श्री कुशल कांति खरतरगच्छ जैन श्री संघ पाल स्थित श्री कुशल कांति खरतरगच्छ भवन में युग दिवाकर खरतरगच्छाधिपति आचार्य श्री जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी म. सा. ने सोमवार 2 सितंबर को कल्पसूत्र पर प्रवचन में कहा कि पर्वाधिराज पर्युषण पर्व के दौरान हमारे जीवन में वैराध्यना जागा कि आराधना जागा, विपरीत प्रतिकुलता मिलने पर भी अपने अंदर समता भाव बनाए रखा है तो निश्चित रूप से समझना पर्वाधिराज पर्युषण पर्व की आराधना की है. उन्होंने कहा कि दुनिया में ऐसी कोई क्रिया नहीं जिसका परिणाम नहीं हो. बाहर के जीवन परिणाम नहीं न मिले, संसार में कोई परिणाम नहीं न मिले, लेकिन आत्मा और अध्यात्म के क्षेत्र में परिणाम मिलता ही है. जब तक उन क्रिया के मूल निमित्त को समाप्त न कर दिया जाए, प्रायश्चित के द्वारा उस दाग को धो नहीं दिया जाए. उन्होंने कहा कि कल्पसूत्र की अपनी मर्यादा है क्योंकि वह अगम है. वह परमात्मा की मूल वाणी है परमात्मा में, परमात्मा की वाणी में और परमात्मा की प्रतिमा में तीनों में एक समानता है. पुण्य और पुरूषार्थ जब दोनों मिलते है तो तब साधना फलिभूत होती है. पुण्य भी कोई काम का नहीं और अकेला पुरूषार्थ भी कोई काम का नहीं. दोनों के संगम जरूरी है. 45 आगमों सबसे महान आगम भगवती सूत्र है. जिसमें 36 हजार प्रश्न है और परमात्मा द्वारा दिए गए समाधान है. सबसे ज्यादा सोने से लिखा गया शास्त्र अगर उपलब्ध है तो वह है कल्पसूत्र. सबसे ज्यादा टिकाएं जिस पर लिखी गई, टिकाओं का अर्थ होता है व्याख्या, विवेचना. उन्होंने कहा कि साधु की चादर बड़ी उजली होती है, साधु की चादर कभी मेली नहीं होती. साधुओं की आचार, आचरण, आध्यात्म, आत्मा की चादर उजली है। सभी के घरों की एक नियमावली होनी चाहिए, जिसका सभी सदस्यों ने पालन करना चाहिए. उन्होंने गृहस्थ और श्रावक में अंतर बताते हुए कहा कि अगर किसी भी प्रकार की मर्यादा नहीं है तो समझो आप गृहस्थ है. श्रावक वह है जो परमात्मा की आज्ञा का पालन करता हैं. वह श्रावक कहलाता है. कल्पसूत्र मर्यादा की पोथी है. परमात्मा का शासन केवल सुख नहीं देता परमात्मा का शासन सदगुण देता है. सुख सद्गुणों का परिणाम है. बाहर का सुख दुःखदायक है. उल्लास हो तभी उपवास होता है, उल्लास के बिना उपवास भी नहीं.

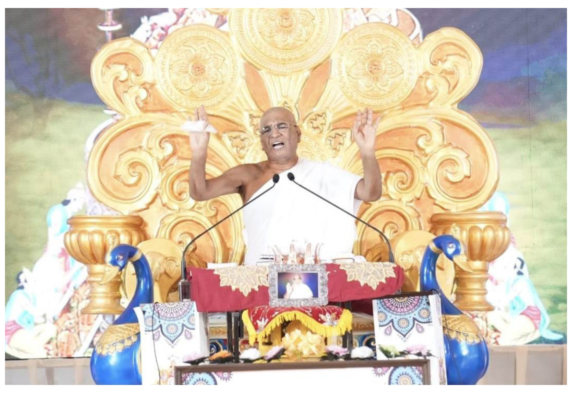

खरतरगछ युवा परिषद के अध्यक्ष मनोज देसाई ने बताया कि सारे तपस्वियों की सामूहिक सांझी और मेहंदी का सगीतमय कार्यक्रम रखा गया था. दिनाक 04.09.2024 को भगवान महावीर वांचन का कार्यकम गुरुदेव की निश्रा में आयोजित होगा.